चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 171 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 दिसंबर 2024 शनिवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

सरकार बोली- हमने व कांग्रेस ने भी अल्पसंख्यकों के लिए काम किया

संविधान पर मैदानी घमासान के बाद अब संसद में क्लाइमैक्स-सा नजारा

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में संविधान पर चर्चा का आज दूसरा दिन है और सदन में गहमागहमी के आसार भी है। दरअसल लंबे समय से संविधान सदन के बाहर भी चर्चा और सियासी बहस का विषय है। खास बात यह है कि आज अपरांह दो बजे के बाद संविधान चर्चा पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पीएम नरेंद्र मोदी भी अपनी बात रखेंगे। इससे पहले सुबह जब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने चर्चा की शुरुआत की, तो कहा कि कांग्रेस की हो या हमारी सरकार, सबने अपने तरीके से काम किया है। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों के लिए जो काम किया, उसे मैं नकार नहीं रहा हूं। अल्पसंख्यकों के लिए हमारे देश में सबके लिए लीगल प्रोटेक्शन दिया गया है। जबकि दूसरे देशों से ऐसा नहीं है। संविधान पर कल राजनाथ सिंह ने चर्चा की शुरुआत की थी और विपक्ष की ओर से प्रियंका गांधी ने 31 मिनट में उनके हर एक बयान का जवाब दिया था प्रियंका की यह लोकसभा में बतौर सांसद पहली स्पीच थी। उन्होंने कहा था कि आप संविधान निर्माताओं में नेहरूजी का नाम नहीं लेते। जहां जरूरत होती है, वहां जरूर लेते हैं।

मंत्री की ड्रेस पर स्पीकर की नजर: रिजीजू बहस के दौरान हरे रंग की ड्रेस पहने नजर आए।जब स्पीकर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा- आपकी ड्रेस बहुत अच्छी लग रही है तो रिजिजू ने जवाब दिया- वैसे आप किसी के कपड़ों पर कभी गौर नहीं करते। आज किया, उसके लिए धन्यवाद। हालांकि विपक्ष के नेता लगातार टिप्पणी करते रहे तब रिजिजू ने कहा- मैं सीधा सादा आदमी हूं। भले पंसद न हूं लेकिन झेलना पड़ेगा। अल्पसंख्यकों के खिलाफ दुनिया में जब भी संकट होता है। वो भारत की तरफ देखते हैं। तो यह कैसे कह सकते हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों को खतरा है। कांग्रेस ने बल्लीमारान से पूर्व मंत्री हारून युसूफ और वजीरपुर से रागिनी नायक को टिकट दिया है।

संसद परिसर में आज प्रियंका गांधी के साथ केरल के कांग्रेस सांसदों ने प्रदर्शन किया और वायनाड आपदा पीड़ितों के लिये पैकेज की मांग की।

वन नेशन वन इलेक्शन बिल 16 को पेश होगा

देश में लंबे समय से चर्चा और विवाद का विषय बना वन नेशन वन इलेक्शन बिल अब 16 दिसंबर को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल इसे पेश करेंगे। यह एक सौ उनतीसवां संशोधन विधेयक होगा। एक देश एक चुनाव के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को समिति का चेयरमैन बनाया गया था। उनकी सिफारिशों के बाद हाल में मोदी कैबिनेट में भी पास कर दिया गया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस पहल को भारत के लोकतंत्र के लिए 'गेम-चेंजर' बताया था। इन मसौदा कानूनों का उद्देश्य देश भर में एक साथ चुनाव कराना है।

विरोध में है समूचा विपक्षः दरअसल अभी अलग-अलग राज्यों में अलग समय पर चुनाव होते हैं। कानून बनने के बाद देश में एक साथ चुनाव की तैयारी है। हालांकि, सरकार के इस कदम का कांग्रेस और आप जैसी कई इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने विरोध किया है। आरोप है कि इससे केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी को फायदा होगा।

सीएम ने सिंगल क्लिक से भेजी स्कॉलरशिप

स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृत्ति योजना के तहत आज पहले चरण में 60 लाख विद्यार्थियों को 332 करोड़ रुपये मिले हैं। सीएम मोहन यादव ने आज मऊगंज जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक से यह राशि ट्रांसफर की। आज सीएम ने ब्यौहारी के पास सरसी में पर्यटन केंद्र व रिसार्ट का उदघाटन भी किया। यह रिसॉर्ट बाणसागर डैम के बैक वाटर पर राज्य पर्यटन विकास निगम ने निर्माण किया है। खास बात यह है सरसी आइलैंड की खोज पूर्व नेवी कमांडर राजेंद्र निगम ने कोरोना काल के समय गूगल अर्थ से की थी। उन्हें बाणसागर डैम के बैक वॉटर में टापू की जानकारी मिली थी। उन्होंने गूगल अर्थ के जरिए टापू की जियोग्राफी स्थिति को देखा। फिर पर्यटन विभाग को इसकी जानकारी दी। इसके बाद आइलैंड की नींव रख गई।

दिल्ली की चुनावी जंग में गठबंधन के द्वार 'अधखुले'

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने भी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है हालांकि कांग्रेस व आप के बीच अभी भी गठबंधन की संभावना पूरी तरफ खत्म नहीं मानी जा रही। हालांकि दोनों इसे खारिज कर रही हैं। लेकिन इस बार कांग्रेस ने चुनाव की घोषणा से पहले ही अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर अपनी गंभीरता का संकेत दिया है और आप को भी जवाब दिया है क्योंकि हाल में आप ने अपने उम्मीदवार तय किये हैं। खास बात यह है कि नई दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उतारा है जो कभी केजरीवाल के दोस्त भी माने जाते थे और पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे हैं। इस सीट पर पिछले तीन चुनाव से अरविंद केजरीवाल जीत रहे हैं। जबकि यह सीट शीला दीक्षित की थी जो लगातार चुनाव जीतती रहीं मगर केजरीवाल ने उन्हें हराया था। अब बेटे पर अपनी मां की हार का बदला लेने का मौका आया है। दीक्षित दिल्ली से सांसद भी रह चुके हैं।

मस्जिद से लाउडस्पीकर की तेज आवाज पर 2 लाख का चालान

संभल, एजेंसी

उत्तर प्रदेश संभल में हिंसा के बाद अतिरिक्त सावधानी बरत रही है। पुलिस इस बात पर बारीकी से नजर रख रही है कि किसी भी कारण से माहौल खराब न हो। इस कड़ी में ही पुलिस ने एक्शन लेते हुए एक मस्जिद के इमाम का 2 लाख रुपए का चालान कर दिया है। बताया जाता है कि संभल की सड़कों पर तैनात पुलिस को अचानक मस्जिद से लाउडस्पीकर की तेज आवाज सुनाई दी थी, आवाज सुनते ही पुलिस अफसर फोर्स लेकर मस्जिद की तरफ दौड़ पड़े। यहां पुलिस ने तेज लाउडस्पीकर बजाने पर मस्जिद के इमाम को गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद एसडीएम ने शांतिभंग के तहत 2 लाख के मुचलके पर इमाम को छोड़ा गया। दरअसल, दो दिन पहले ही एडीशनल एसपी और सीओ ने धर्मगुरुओं के साथ बैठक करते हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया था व धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने और स्पीकर की आवाज धार्मिक स्थल से बाहर न जाने की अपील की थी।

एयरपोर्ट पर दो दिन फंसे रहे इंडिगो के मुसाफिर

नई दिल्ली, एजेंसी

इस्तांबुल एयरपोर्ट पर इंडिगो की दो उड़ानों में देरी के कारण सैकड़ों यात्रियों के दो दिन तक फंसने का मामला सामने आया है। इंडिगो की उड़ान इस्तांबुल से दिल्ली और इस्तांबुल से मुंबई बीती रात उड़ान भरने वाली थीं लेकिन 24 घंटे से ज़्यादा की देरी हो गई। यात्रियों को ठीक जानकारी नहीं दी गई। कल सुबह तक, यात्रियों के फंसे हुए 39 घंटे हो चुके थे। इंडिगो ने उड़ान का नया समय नहीं बताया था। यात्रियों ने खाने-पीने और रहने की सुविधा न मिलने की शिकायत की। सोशल मीडिया पर उन्होंने इंडिगो की खराब व्यवस्था पर गुस्सा ज़ाहिर किया। हालांकि, इंडिगो ने माफ़ी मांगी है, लेकिन देरी का कारण नहीं बताया और न ही मुआवज़े का ऐलान किया है। यह घटना हाल ही में आई एयर हेल्प स्कोर रिपोर्ट के बाद हुई, जिसमें इंडिगो को दुनिया की सबसे खराब एयरलाइन्स में से एक बताया गया था।

दिल्ली के स्कूलों को फिर बम की धमकी, पुलिस सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

स्कूलों को बम की धमकी मिलने का सिलसिला रूकने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब आज डीपीएस आरके पुरम समेत दिल्ली के कुछ स्कूलों को आज बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। बम की धमकी मिलने की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीम स्कूलों में पहुंची व जांच शुरू कर दी। इससे पहले शुक्रवार भी स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले थे। 30 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस के साथ अग्निशमन विभाग और बस स्क्वॉड ने घंटे तक जांच की। कहीं से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने इसे फर्जी कॉल करार दिया। फिलहाल, पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्टः पहले दिन का खेल बारिश में धुला

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश के कारण रद्द हो गया है। शनिवार को ब्रिस्बेन में रुक-रुककर बारिश होती रही। दिन के आखिरी दो सेशन में एक भी बॉल नहीं डाली जा सकी। बारिश शुरू होने पहले ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए थे। नाथन मैक्स्वीनी और उस्मान ख्वाजा नाबाद लौटे थे। द गाबा स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। रविवार को खेल आधे घंटे पहले सुबह 5.20 बजे शुरू होगा। 5 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहला मैच भारत ने 295 रन और दूसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था।

आडवाणी अपोलो में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ गई है, इसके चलते उन्हें दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबरों के अनुसार,आडवाणी को रूटीन चेकअप के लिए अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वह फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इस साल अगस्त महीने में भी आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जुलाई में भी देश के पूर्व गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एम्स में डॉ. अमलेश सेठ की निगरानी में उनका इलाज किया गया। उस वक्त आडवाणी को यूरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। 8 नवंबर, 1927 को पाकिस्तान के कराची में जन्मे आडवाणी ने हाल में 98वां जन्मदिन मनाया है। आडवाणी साल 2002 से 2004 तक भारत के उप प्रधानमंत्री और 1999 से 2004 तक केंद्रीय गृह मंत्री रहे हैं।

कैदी नंबर 7697, पूरी रात फर्श पर भूखे सोए अर्जुन

मेट्रो एंकर

आज सुबह रिहा हुए, पिछले गेट से बाहर लाया गया

हैदराबाद.दोपहर मेट्रो

कुछ दिन पहले संध्या थिएटर में मची भगदड़ और एक मौत के मामले में गिरफ्तार तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन तेलंगाना हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद आज सुबह जेल से बाहर आ गए। हालांकि जमानत उन्हें शाम कोमिल गई थी लेकिन कागजी कार्रवाई में देरी के कारण तेलंगाना हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बावजूद अल्लू को जेल में रात बितानी पड़ी। चंचलगुडा जेल सूत्रों के मुताबिक इस एक रात के लिए अभिनेता की पहचान कैदी नंबर 7697 की थी। वह जेल में पूरी रात भूखे रहे और फर्श पर सोए। विचाराधीन कैदी के तौर पर पुलिस ने उन्हें मंजीरा बैरक के क्लास-1 कमरे में रखा था। अल्लू अर्जुन की सारी जानकारी जेल रिकॉर्ड में दर्ज की गई है। इससे पहले उन्हें कल दोपहर उनके हैदराबाद स्थित आवास से पुलिस ने अरेस्ट किया था निचली अदालत में पेश किया। कोर्ट ने अर्जुन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जिसके बाद पुलिस उन्हें चंचलगुडा सेंट्रल जेल ले गई थी। अल्लू अर्जुन ने अपने वकील अशोक रेड्डी के माध्यम से हाई कोर्ट में जमानत की अर्जी दाखिल की थी, जहां से उन्हें 50000 रुपये के निजी मुचलके पर अंतरिम बेल मिली। आज अल्लू अर्जुन जेल से बाहर निकलने के बाद अपने घर पहुंचने से पहले गीता आर्टस के ऑफिस पहुंचे। यह साउथ इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी और फेमस फिल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है। इसे 1972 में अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद ने शुरू किया था। अब इसे अल्लू ही चलाते हैं। अपने प्रोडक्शन हाउस से निकलने के बाद अर्जुन सीधा अपने घर पहुंचे और अपने परिवार से मिले। हालांकि भीड के चलते उन्हें जेल के पिछले गेट से बाहर लाया गया था।

जो कुछ हुआ उसके लिए सॉरी

जेल से बाहर निकलने के बाद अल्लू अर्जुन ने आज डिया से कहा चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं जो कुछ भी हुआ उसके लिए सॉरी, मैं कानून में यकीन रखता हूं। दुर्घटना अनजाने में हुई थी। मैं मृत महिला के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं.। अगर लॉ इस केस को देख रहा है तो मैं बीच में टिप्पणी नहीं करूंगा मैं पुलिस के साथ सहयोग करूंगा।

पौधों की हालत खराब

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर के पॉलिटेक्निक स्मार्ट सिटी रोड पर लगाए गए पेड़ पौधों की हालत बेहाल।

रातापानी नहीं, अब डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व कहिए

क्योंकि सीएम ने की है भीमबेटका को विश्व पटल पर लाने वाले डॉ. वाकणकर के नाम पर आठवां टाइगर रिजर्व का नाम रखने की घोषणा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश को हाल में मिले आठवें टाइगर रिजर्व को रातापानी के नाम से नहीं, बल्कि डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की है। वह भोपाल से कुछ ही दूरी पर स्थित झिरी में नए टाइगर रिजर्व के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने पर्यटकों से भरी सफारी और वन्यप्राणी जागरुकता के क्षेत्र में रूचि रखने वाले नागरिकों की बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। पूर्व में यह वन्यजीव अभयारण्य था, जिसे 2 दिसंबर को रिजर्व बनाए जाने की अधिसूचना जारी की है। इसके कुछ ही दिनों के भीतर रिजर्व का नया नामकरण करने की घोषणा भी कर दी।

यह रिजर्व राजनीतिक और प्रशासनिक गठजोड़ की मनमानियों के चलते बीते 16 वर्षों से अटका हुआ था। यहां 70 से अधिक बाघ और हजारों तेंदुए हैं। कई प्रजातियों की तितलियां और दूसरे वन्यजीव हैं जो उक्त लैंडबैंक को प्राकृतिक तंत्र से जोड़े हुए हैं। इसी रिजर्व सीमा के अंदर भीमबेठका है, जहां प्राचीण शैलचित्र है, जो आदिमानव काल की सभ्यता को दर्शाते हैं। यहीं से प्रमाण मिले हैं कि आदिमानव कई तरह की कलाओं में दक्ष थे और अच्छे से अपना जीवन जीते थे। इन शैल चित्रों का अन्वेषण डॉ. विष्णु वाकणकर ने किया था।

बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने पर रातापानी टाइगर रिजर्व जैसी सौगात मिलने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। टाइगर रिजर्व से भोपाल में पर्यटन गतिविधियों के लिए बड़ी संभावना निर्मित हुई है। होटल, लॉज और अन्य पर्यटन सुविधाओं से रोजगार, कौशल और उद्यमशीलता के अवसर उपलब्ध होंगे। राज्य सरकार भी इस दिशा में हर संभव सहयोग करने के लिए तत्पर है। रातापानी टाइगर रिजर्व के जरिये भोपाल सहित प्रदेश के तीन जिलों को अनुपम सौगात प्राप्त हुई है। यादव ने कहा कि रहस्य रोमांच, प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व सभी कुछ रातापानी टाइगर रिजर्व में उपलब्ध है। भोपाल का सौभाग्य है कि ÷वन-विहार÷ बड़े तालाब के पास है और रातापानी टाइगर रिजर्व भी भोपाल के पड़ोस में आ गया है। टाइगर रिजर्व, वन्य प्राणियों के संरक्षण के साथ स्थानीय निवासियों को होम-स्टे और अन्य गतिविधियों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने में भी सहायक होगा।

रिजर्व की विशेषताएं

— भारत में ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में भोपाल को टाइगर की राजधानी के रूप में एक नई पहचान मिलेगी।
— बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे यह क्षेत्र बाघों का एक महत्वपूर्ण बसेरा बन गया है।
— वर्ष 1976 में रातापानी को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था। रातापानी न केवल बाघों बल्कि कई अन्य वन्य जीवों का भी घर है। यह एक ऐसा स्थान है, जहां लोग प्रकृति की विविधता को करीब से देख सकेंगे।
— रायसेन एवं सीहोर जिले में रातापानी अभयारण?य का कुल क्षेत्रफल लगभग 1272 वर्ग किलोमीटर पूर्व से अधिसूचित है। अभी रिजर्व के कुल क्षेत्रफल में से 763 वर्ग किलोमीटर को कोर क्षेत्र घोषित किया गया है। यह वह क्षेत्र है, जहां बाघ बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्वतंत्र रूप से विचरण कर सकेंगे।
— शेष 507 वर्ग किलोमीटर को बफर क्षेत्र घोषित किया गया है। यह क्षेत्र कोर क्षेत्र के चारों ओर स्थित है और इसका उपयोग कुछ प्रतिबंधों के साथ स्थानीय समुदायों के लिए किया जा सकेगा।
— रातापानी के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों की आजीविका इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। टाइगर रिजर्व बनने के कारण यह पर्यटन को और बढ़ावा देगा, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

दो में एक नदी जोड़ो परियोजना को मिल सकते हैं स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का नाम

भोपाल. एजेंसी

– पार्वती–कालीसिंध–चंबल परियोजना का 17 को और केन–बेतवा का 25 दिसंबर को है शिलान्यास

– प्रधानमंत्री मोदी रखेंगे दोनों की आधारशीला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 दिसंबर को पार्वती–कालीसिंध–चंबल नदी जोड़ो परियोजना और 25 दिसंबर को केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की आधारशीला रखेंगे। पहला कार्यक्रम राजस्थान की राजधानी जयपुर में होगा तो दूसरा शिलान्यास मप्र के छतरपुर जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित है। इन दोनों में से एक परियोजना का नाम पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से रखा जा सकता है। केंद्र व राज्य दोनों ही स्तर पर इस दिशा में विचार–विमर्श किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक ज्यादा संभावना केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का नाम बदले जाने की है। इस परियोजना की आधारशीला स्व. वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को रखी जानी है जो 100वीं जन्म जयंती है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से 11 जिले बनेंगे पानीदार

इस परियोजना से प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाईं मुख्य नहर एवं वितरण-तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना से प्रदेश के गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन सीहोर, मंदसौर, इंदौर, देवास, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा।

केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना 8.11 लाख हेक्टेयर में होगी सिंचाई: परियोजना के तहत दौधन ग्राम में बांध का निर्माण कर केन नदी के जल को 221 किलोमीटर लंबी लिंक कैनाल के द्वारा मार्ग में दोनों ओर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराते हुए अधिशेष जल को बेतवा नदी में छोड़ा जाएगा। परियोजना से प्रदेश के कुल 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। इससे छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, शिवपुरी, निवाड़ी, दतिया रायसेन, विदिशा और सागर जिलों के लगभग 2013 ग्राम लाभान्वित होंगे। परियोजना से प्रदेश की 44 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी और 103 मेगावॉट जल विद्युत एवं 27 मेगावाट सोलर विद्युत का उत्पादन भी किया जाएगा।

सीएम ने की समीक्षाः सीएम डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार अधिकारियों के साथ दोनों परियोजनाओं से जुड़े कामों की समीक्षा की और कहा कि देश में सबसे ज्यादा नदियां मध्यप्रदेश में हैं और यहां अपार जल राशि भी है। हमें इसका अधिक से अधिक उपयोग किसानों के हित में करना है। उन्होंने कहा कि 2 बड़ी राष्ट्रीय परियोजनाओं में मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी होना बहुत बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-जन तक जल के महत्व और सदुपयोग का संदेश जाना चाहिए। गांव-गांव में किसान सम्मेलन हों, कलश यात्रा निकाली जाएं, प्रभात फेरिया हों, भजन मंडलियां और लोक कलाकार प्रस्तुतियां दें, विद्यालय और महाविद्यालय में चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं हों। कार्यक्रमों में जन-प्रतिनिधि, स्व-सहायता समूह और समाज सेवी संगठन की सहभागिता हो।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में शिक्षक अपडेट

हिरदाराम नगर. संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में महाविद्यालय की आई क्यू ए सी सेल और जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की डॉ. रोमी सैनी उपस्थित थी। दूसरे दिन डॉ. अनुज हुंडेत प्रोफेसर आई. ई. एच. ई. भोपाल ने क्वांनटेटिव रिसर्च और डाटा एनालिसिस में एम.एस. एक्सेल के उपयोग विषय पर जानकारी दी। तीसरे एवं चौथे दिन डॉ. हरिहर बसंत गुप्ता प्रोफेसर आई. ई. एच. ई. भोपाल ने टीम बिल्डिंग स्ट्रेंथिंग एकेडमिक सिनर्जी एवं डेवलपींग इफेक्टिव कम्यूनिकेशन स्किल पर अपनी बात कहीं। कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. नितिन मेहर, प्रोफेसर, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने एगेजिंग विद स्टेक होल्डर इंडस्ट्री एंड कम्युनिटी पार्टनरशिप के साथ फैकेल्टी डेवलपमेंट एंड वेल बीइंग विषय पर अपनी बात कहीं। आपने छोटे-छोटे मनोरंजन खेलों के माध्यम से सहयोग में कार्य करना, लक्ष्य साधना, लक्ष्य की संरचना बनाना आदि के बारे में बात की।

समापन सत्र में प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम न केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता को उन्नत करेगा, बल्कि आपको नए विचारों, विधियों, और उपकरणों से भी अवगत कराएगा।

एएसआई ने गैरेज में लगाई फांसी

सुसाइड में लिखा कर्ज से हूं परेशान

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित 25वीं बटालियन में बीती शाम एमटीओ शाखा में पदस्थ एएसआई ने अपने शासकीय क्वार्टर के बाहर बने कार के गैरेज में फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी है। उनके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उन्हें अत्यधिक कर्ज से परेशान होकर फांसी लगा लगाने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार अनिल नागोराव हेड़ाप पिता नागोराव हेड़ाप (55) सीटू, एच ब्लॉक 48 क्वार्टर भदभदा में रहते थे। वे सएएफ में पदस्थ थे। इन दिनों की उनकी ड्यूटी एमटीओ शाखा में थी। मूलत~ महाराष्ट्र निवासी अनिल नागोराव 48 क्वार्टर भदभदा में शासकीय आवास में रहते थे। उनकी बेटी ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से बाहर गई थी। वहां से लौटी तो उन्हें पिता नजर नहीं आए। वे पिता को देखने के लिए गैरेज में पहुंची। इस दौरान पिता फांसी के फंदे पर लटके नजर आए।

मेट्रो एंकर | जनजातीय संग्रहालय में एकात्म संवाद

आत्मज्ञान के लिए श्रवण, मनन, साधना जरूरी: प्रबुद्धानंद सरस्वती

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में प्रेरणा संवाद के दूसरे दिन चिन्मय मिशन इंदौर के आचार्य स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती ने श्रवण, मनन, निदिध्यासन की साधना के माध्यम से एकात्मता के भाव को व्यक्त किया। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जगत से मिलने वाली उपलब्धि से सफलता मिल सकती है,परन्तु सफलता के बाद भी यह निश्चित नहीं कि उससे आत्म संतुष्टि हो। आत्म संतुष्टि अथवा आत्मज्ञान स्वयं को जानने से ही संभव है। हमें यह चिंतन करना चाहिए कि मनुष्य रूप में जन्म का उदेश्य क्या है। दूसरों को जानना बहुत आसान है, स्वयं को जानना कठिन है। शास्त्रों में अपने को जानना ही ब्रम्हज्ञान कहा गया है। स्वयं को जानने के लिए वेदांत में श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन की साधना बताई गई है। उन्होंने कहा मात्र सुनना ही श्रवण नहीं होता,श्रवण में ज्ञान तभी उत्पन्न होगा जब सुनते समय प्रमाणिक बुद्धि हो। इसे ही मनन कहा गया है। श्रवण और मनन के बाद आता है निदिध्यासन। सुने हुए में, गुने हुए में मन का आधान करना ध्यान है। वेदों से निसरित चारों महावाक्यों का निरंतर मनन करने से भी ध्यान की अवस्था तक पहुंचा जा सकता है । श्रवण के बाद दूसरी साधना मनन है। अंत में उन्होंने कहा कि ध्यान किया नहीं जाता, बल्कि घटित होता है। उन्होंने आह्वान किया कि शास्त्रों के प्रति सही दृष्टिकोण अपनाने से जीवन में सच्चे ज्ञान की प्राप्ति संभव है और यही आत्मज्ञान की ओर पहला कदम है। शास्त्र ही हमारे जीवन का आधार है। हम जो बोलते है, सुनते है, वैसी ही वृति बनती है। संवाद के आरम्भ में शंकरदूतों ने मंगलाचरण एवं शंकरगान 'विश्वमूल से स्पन्दित हो घन, महामौन ने जन्म लिया था, शंकर ने अवतार लिया था' के गायन से आचार्य की स्तुति की। उपस्थित श्रोताओं ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर स्वामी वेदतत्तवानंद सरस्वती सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सिंधियों को प्रापर्टी का मालिकाना हक दिलाने नवीनीकरण के लिए सिंधी सेंट्रल पंचायत सक्रिय

- कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

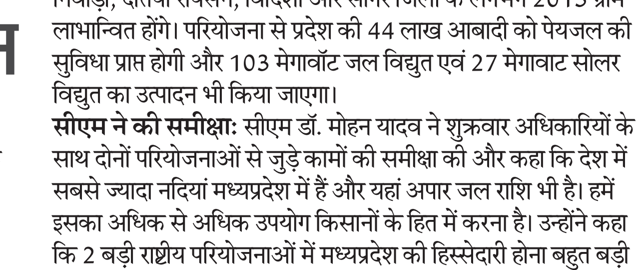

हिरदाराम नगर. सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के प्रतिनिधि मण्डल ने एसडीएम आदित्य जैन से मुलाकात कर संतनगर में 75 साल से काबिज सिंधी परिवारों का सर्वे कर जो जहां काबिज है, वहां पर प्रापर्टी का मालिकाना हक देने पट्टा जारी करने एवं वन ट्री हिल्स के 500 भूखण्डधारियों की लीज नवीनीकरण की मांग की है। इसके आशय का ज्ञापन कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा। पंचायत महासचिव सुरेश जसवानी ने बताया कि एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी के नेतृत्व में एसडीएम से मिले प्रतिनिधि मण्डल में पंचायत सलाहकार नरेन्द्र लालवानी, विधि सलाहकार दिलीप हिरोनी, नव युवक गृह निर्माण समिति के पदाधिकारी तुलसी आसनानी व पुरूषोत्तम टिलवानी शामिल थे। प्रतिनिधि मण्डल ने एसडीएम से आग्रह किया वार्ड 4 एवं 5 जहां सिंधी विस्थापितों की सर्वाधिक संख्या है, का सर्वे करवाकर जो जहां काबिज है सरकार के निर्देशानुसार उन्हें मालिकाना हक दिया जाए। एसडीएम ने वन ट्री हिल्स के भूखण्डधारियों की लीज नवीनीकरण के लिए कहा कि भंग सोसायटी के चुनाव करवाकर उसकी लिस्ट सौंपे तो एक साथ तीनों सोसायटियों को क्रमशः 200, 200 एवं 100 लीज नवीनीकरण के कागज दिए जाएं बाद में गृह निर्माण समितियां अपने स्तर पर सदस्यों को उनका वितरण करे। प्रतिनिधि मण्डल ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि विभाजन के समय पश्चिमी पाकिस्तान से आने वाले सिंधी हिन्दु विस्थापिता के लिए राजस्व विभाग के 9 जुलाई 1986 को समस्त कलेक्टरों को जारी परिपत्र क्रमांक एफ 6-115/आठ(9)77 में स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि भारत पाकिस्तान विभाजन के फलस्वरूप पश्चिमी पाकिस्तान से आए विस्थापित परिवारों के व्यवस्थापन के संबंध में राजस्व पुस्तक परिपत्र 4-1 की कंडिका 27 के अनुरूप भूमिक व्यवस्थापित किए जाने का निर्णय है, इसके अन्तर्गत जिनका कब्जा 31 दिसम्बर 1976 के पूर्व का है, विस्थापितों को 4800 वर्गफुट तक की भूमि के लिए प्रब्याजि रूपये 500 तथा वार्षिक भू-भाटक 31.25 रूपये वसूल किया जाए। वार्षिक भू-भाटक 31 दिसम्बर 1970 के बाद वसूल किया जाए और 4800 वर्गफुट से अधिक अतिक्रमिक भूमि के लिए नियमानुसार प्रचलित दर पर प्रब्याजि एवं भू- भाटक का निर्धारण किया जाए। राजस्व विभाग ने 9 जुलाई 1986 के निर्देशों में व्यवसायिक प्रयोजन बावत भी स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिस भूमि का अतिक्रमण व्यवसायिक प्रायोजन हेतु हुआ है, उसका भी व्यवस्थापन किया जाए और इन प्रकरणों में शासन द्वारा जो न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया गया है उसके अनुसार प्रब्याजी निर्धारित की जाए जिसमें भू-भाटक प्रब्याजि का सा? सात प्रतिशत निर्धारित होगा। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अतिक्रमण व्यवसायिक प्रयोजन के लिए हुआ है वहां भी अधिकतम 4800 वर्गफुट पर उक्त निर्देश और नियम लागू होंगे। 1994 में राजस्व विभाग ने पुनः 18 एवं 24 फरवरी 1994 को आदेश क्रमांक 6-144/सात/सा-2बी/89 द्वारा भी समस्त कलेक्टरों को निर्देशित किया है, लेकिन आज तक नतीजा शून्य ही निकला है।

11 दिसम्बर - 26 दिसम्बर 2024
जनकल्याण पर्व
1 वर्ष
मोहन यादव सरकार
काम लगातार-फैसले असरदार
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
द्वारा
सरसी पर्यटन केन्द्र एवं रिसॉर्ट
का लोकार्पण
पूर्वाह्न 10:00 बजे । शहडोल
अक्षयपात्र कार्यक्रम
बच्चों को पोषण आहार किट का वितरण
एवं छात्रवृत्ति का अंतरण
200 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के उन्नयन कार्य एवं
सीतापुर-हनुमना दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का
भूमिपूजन
विद्युत सब-स्टेशन तिलिया का
लोकार्पण
14 दिसम्बर, 2024 । अपराह्न 1:00 बजे । मऊगंज
D11120/24
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

संपादकीय

हर विकल्प जरूरी

इस वक्त दुनिया के कई देश भारी आंतरिक उथल-पुथल से गुजर रहे हैं। तो कुछ देश युद्ध में जुटे हुए हैं। अब सीरिया का नया नाम इस सूची मेंजुड़ा है जहां रविवार को जिस तरह से इस्लामी विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़ने को मजबूर हुए, वह अप्रत्याशित तो है ही, पूरे पश्चिम एशिया के लिए अनिश्चितता के एक नए सिलसिले की शुरुआत साबित हो सकता है। इस प्रकरण में कई ऐसे पहलू हैं, जो भारत की चिंता से सीधे तौर पर जुड़ते हैं। चाहे राष्ट्रपति बशर अल-असद हों या उनके पिता हाफिज अल-बशर, दोनों निरंकुश माने जाते रहे, लेकिन सीरिया में दोनों ने सेकुलर नीति अपनाई। उनके शासन काल में इस्लामी कट्टरपंथियों पर अंकुश बना रहा। अब उनकी जगह काबिज हुए इस्लामी विद्रोहियों के संभावित रुख को लेकर दुनिया भर में आशंकाएं हैं। सीरिया में उनकी वजह से आईएसआईएस जैसे आतंकवादी समूह के फिर से सिर उठाने का डर पैदा हो गया है। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या आने वाले दौर में भारतीय उपमहाद्वीप में आतंकी तत्वों की सक्रियता बढ़ने वाली है। सीरिया के साथ भारत के आर्थिक रिश्ते भले ही ज्यादा प्रगाढ़ न हुए हों, मगर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों एकजुट रहे हैं। यही नहीं, बशर अल-असद ने कश्मीर के सवाल पर हमेशा भारत का साथ दिया। यहां तक कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर भी सीरिया ने कहा था कि यह भारत का आंतरिक मामला है और किसी भी देश को अपने भूभाग में नागरिकों की हिफाजत के लिए जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है।अब देखना होगा कि बदले हालात में सीरिया के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है। विद्रोही गुटों को हासिल तुर्किये के कथित समर्थन को देखते हुए कुछ एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि सीरिया के नए निजाम की नीतियों पर उसका प्रभाव दिखेगा। अच्छी बात यह है कि तुर्किये के साथ भी भारत के रिश्तों में पिछले कुछ समय में सुधार देखा जा रहा है। जहां कश्मीर पर उसके रुख में नरमी आई है, वहीं भारत ने भी ब्रिक्स में तुर्किये की एंट्री को रोकने का प्रयास नहीं किया।सीरिया के घटनाक्रम पर भारत ने जिस तत्परता से अपना रुख स्पष्ट किया, वह भी काफी कुछ कहता है। 24 घंटे के अंदर ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने सीरिया की एकता, अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने की जरूरत बताते हुए कहा कि मसले का हल निकालने की प्रक्रिया न केवल शांतिपूर्ण बल्कि सीरिया की अगुआई वाली और समाज के सभी तबकों के हितों का ध्यान रखने वाली होनी चाहिए। जाहिर है, सीरिया मामले से जुड़े अपने हितों को लेकर भारत संवेदनशील और गंभीर है यह बात तो साफ नजर आती है। लेकिन भारत वा इस जैसे बड़े और शक्तिशाली देश की भूमिकाएं वैश्विक परिदृश्य पर भी बन रही है। ऐसे देश यदि युद्ध पर आपदा देश और आंतरिक उथल-पुथल से गुजर रहे देश पर कूटनीतिक तौर पर कुछ दबाव बनाएं तो हालात सुधर सकते हैं। यह सुधार हुआ वातावरण पूरी दुनिया को बेहतर बनाने में ही मददगार होगा।

सच्चा मित्र वही है जो आवश्यकता, दुर्भाग्य, अकाल, या युद्ध के समय, राजा के दरबार में, या श्मशान में हमारा साथ न छोड़े।
-चाणक्य

आज का इतिहास

- 2012- नेत्रहीन ट्वेंटी-20 विश्वकप के फ़ाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 30 रनों से हराकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया।
- 2008- जम्मू-कश्मीर के पाँचवें चरण के लिए 11 विधानसभा क्षेत्रों में 57% मतदान हुआ।
- 2007- श्रीलंकाई सेना व लिट्टे के मध्य हुए संघर्ष में 17 लिट्टे उग्रवादी मारे गये।
- 2006- 150वें सदस्य के रूप में वियतनाम को शामिल करने हेतु विश्व व्यापार संगठन द्वारा अधिसूचना जारी।
- 2004- इस्लामाबाद में भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु और सर क्रीक पर वार्ता प्रारम्भ। चिली के पूर्व तानाशाह जनरल अगस्टो पिनोसे अपहरण और नरसंहार के 9 आरोप लगने के बाद घर में नजरबंद किए गए।
- 2003- भूतपूर्व इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को उनके गृह नगर टिगरीट के निकट गिरफ्तार कर लिया गया।
- 2002- यूरोपीय संघ ने तुर्की के साथ बहुप्रतीक्षित समझौते को मंजूरी दी। तथा यूरोपीय संघ का विस्तार करते हुए साइप्रस, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, हंगरी, लातेविया, लिथुआनिया, पोलैंड, स्लोवाकिया और स्लोविनिया शामिल किए गए।
- 2001- भारतीय संसद पर आतंकवादी हमला। तथा इजराइल ने यासर अराफात से सम्पर्क तोड़े।
- 1998- महात्मा रामचंद्र वीर को कोलकाता के बड़ा बाज़ार लाइब्रेरी की ओर से 'भाई हनुमान प्रसाद पोद्दार राष्ट्र सेवा' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1996- कोफी अन्नान संयुक्त राष्ट्र के महासचिव चुने गये।
- 1995- दक्षिण लंदन के ब्रिक्सटन में पुलिस हिरासत में एक अश्वेत व्यक्ति की मौत के बाद सैकड़ों श्वेत और अश्वेत युवक सड़कों पर उतर आए और तोड़फोड़ की।

आज का कार्टून

साभार : माधव जोशी

न्यायिक सुधारों के दीर्घकालीन प्रभावों के यक्ष प्रश्न

■ डॉ. सुधीर कुमार वत्स

भारतीय न्याय संहिता, साक्ष्य अधिनियम और नागरिक सुरक्षा संहिता में हालिया बदलावों को लेकर व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। जहां कुछ लोग इसे कानूनी व्यवस्था को सुधारने का कदम मानते हैं, वहीं अन्य इसकी संभावित खामियों को लेकर चिंतित हैं। इन कानूनों के दीर्घकालिक प्रभाव और उनके क्रियान्वयन में भविष्य के महत्वपूर्ण सवाल उभर सकते हैं।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के लागू होने के बाद से देश भर में इन नए कानूनों को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ये नये कानून भारतीय कानूनी प्रणाली के आधुनिकीकरण और सरलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ब्रिटिश काल के पुराने कानूनों को बदलकर, ये नए कानून देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और न्याय व्यवस्था में तेजी लाने, लंबित मामलों को जल्दी निपटाने में मदद करेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपराधों की जांच और मुकदमों को तय समय सीमा में निपटाने की व्यवस्था है, जिससे न्याय में देरी नहीं होगी।भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधों पर नियंत्रण की उम्मीद है। इन कानूनों के माध्यम से सरकार कानून का शासन स्थापित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहरा रही है। कई लोग मानते हैं कि ये कानून देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे, क्योंकि ये निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे।

इन कानूनों में तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को स्वीकार करना, जो जांच प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाता है। कुछ लोगों का मानना है कि इन नए कानूनों में कई जगह अस्पष्टताएं हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी चिंतित हैं कि इन कानूनों का इस्तेमाल मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए किया जा सकता है। कुछ विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को बनाने में पर्याप्त चर्चा और विचार-विमर्श नहीं किया गया है। कुछ का मानना है कि इन कानूनों के तहत सरकार को बहुत अधिक शक्तियां दे दी गई हैं, जिसका दुरुपयोग हो सकता है।कई विपक्षी दल और नागरिक समाज संगठन इन कानूनों को लोकतंत्र के लिए चुनौती मानते हैं, यह चिंता जताते हुए कि ये कानून सरकार को विरोधियों को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अतिक्रमण का एक उपकरण प्रदान कर सकते हैं। कानूनों में अस्पष्ट और व्यापक शब्दों के प्रयोग से इनके दुरुपयोग का डर है, जैसे कि 'देशद्रोह' के दायरे को लेकर उठे सवाल। विपक्ष का आरोप है कि इन कानूनों को संसद में बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के जल्दबाजी में पारित किया गया। उनका कहना है कि ये कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, विशेषकर गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित प्रावधानों को लेकर चिंता जताई गई है।

कुछ लोगों का मानना है कि ये कानून पुलिस को अधिक शक्तियां देंगे, जिससे नागरिकों का दमन बढ़ सकता है। विद्वानों के अनुसार, ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हो सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय और विपक्षी दलों का आरोप है कि ये कानून विशेष रूप से उनके लिए चिंताजनक स्थितियां उत्पन्न करते हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। लोग चिंतित हैं कि इन कानूनों का गलत इस्तेमाल हो सकता है और अधिकारों का हनन हो सकता है।

कुछ लोग नए कानूनों का स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ को संदेह है। कई का मानना है कि इन कानूनों के प्रभाव का सही आकलन करने में समय लगेगा। तर्क देते हैं कि ये कानून देश में कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे, अपराधों पर अंकुश लगाएंगे और न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वकीलों का एक वर्ग इन कानूनों का विरोध कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करेंगे। नागरिक समाज के कई संगठन इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ हैं।नए कानून में राजद्रोह के दायरे को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्ष का तर्क है कि यह प्रावधान सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जमानत मिलने के मानदंडों को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। पुलिसिया हिरासत के दौरान लोगों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नए कानून में डिजिटल निगरानी के प्रावधानों को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

कुछ का मानना है कि ये नए कानून काफी जटिल हैं और आम लोगों को इन्हें समझने में मुश्किल होगी। अदालतें इन कानूनों की व्याख्या कैसे करती हैं, और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन कानूनों को किस तरह से लागू करती हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा।भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में हुए बदलावों को लेकर जनता की प्रतिक्रियाएं विविध हैं। इन कानूनों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। इन कानूनों के दीर्घकालिक प्रभाव का आकलन करने के लिए अभी और समय की आवश्यकता है। देखना बाकी है कि ये कानून जमीनी स्तर पर कैसे लागू किए जाते हैं और उनका आम नागरिकों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कानून एक जीवंत दस्तावेज है और समय के साथ इसमें बदलाव होते रहते हैं।

(साभार : यह लेखक के विचार हैं)

ईवीएम को लेकर विपक्ष का 'सेलेक्टिव' रवैया कितना उचित

■ विनोद पाठक

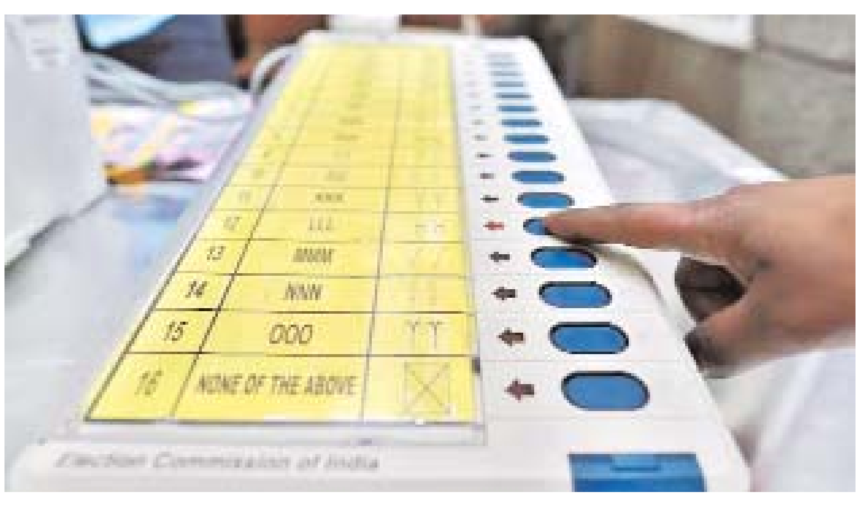

भारत में विपक्ष चुनाव में अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं दिखता। जब उसकी हार होती है तो वो तुरंत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल खड़े करने लगता है, लेकिन इस बार महाराष्ट्र में बात इससे आगे बढ़ती दिख रही है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के विधायकों ने विधानसभा में शपथ का बहिष्कार कर दिया है।वो ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के सुप्रीमो शरद पवार ईवीएम के विरोध को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। आखिर भारतीय विपक्ष किस दिशा में जा रहा है? चुनाव आयोग क्यों विपक्ष को ईवीएम को लेकर विश्वास नहीं दिला पा रहा है? क्या ईवीएम को लेकर विपक्ष का सेलेक्टिव रवैया उचित है? एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह बेहद गंभीर बात है। कुछ माह पहले हरियाणा में विधानसभा चुनाव हुए थे। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही थी, लेकिन जब परिणाम आए तो भारतीय जनता पार्टी ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए पहले से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस ने ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाने में एक क्षण नहीं लगाया। हालांकि, चुनाव आयोग ने कांग्रेस को न केवल फटकारा, बल्कि कार्यवाही की चेतावनी भी दी।

अब महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हुए तो महाराष्ट्र में महायुति, जिसमें भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) ने एकतरफा जीत दर्ज की। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने सत्ता में पहले से अधिक बहुमत के साथ वापसी की। झारखंड की जीत को लेकर न तो ईवीएम पर कोई सवाल खड़े हुए और न चुनाव में गड़बड़ी की बात कही गई, लेकिन महाराष्ट्र का नतीजा विपक्ष खारिज करने में जुटा है। साफ है, भारत में विपक्ष दोहरे मापदंड अपना रहा है। जहां-जहां उसकी हार होती है, वहां-वहां ईवीएम पर सवाल उठाना एक फैशन हो गया है। पश्चिम बंगाल, तेलंगना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जब विपक्षी दल जीते तो एक भी सवाल चुनाव प्रक्रिया पर नहीं उठाया गया। क्या यही विपक्ष का असली चेहरा है? लोकतंत्र में हार-जीत होती रहती है, लेकिन पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाना कितना जायज है? शरद पवार कह रहे हैं कि महायुति की जीत को लेकर लोगों में उत्साह नजर नहीं आ रहा है। आखिर उत्साह का पैमाना क्या है? यह भी शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता को बताना चाहिए।

इसी साल गर्मियों में जब लोकसभा चुनाव हुए थे तो 400 सीटों पर जीत का दावा कर रही भाजपा 240 सीटें ला सकी थी। इंडी गठबंधन ने 233 सीटों पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाई। विपक्ष आज तक लोकसभा चुनाव के नतीजों को भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है। क्या यह देश के वोटरों के साथ धोखा नहीं है? क्या विपक्ष को 233 सीटें ईवीएम में पड़े वोटों से नहीं मिलीं? थोड़ा ईवीएम के इतिहास को लेकर चर्चा करते हैं। ईवीएम का सबसे पहले इस्तेमाल वर्ष 1982 में केरल की परूर विधानसभा सीट के 50 मतदान केंद्रों पर हुआ था। वर्ष 1989 में संसद ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन किया और चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल का प्रावधान किया। ऐसा नहीं है कि ईवीएम को एकाएक चुनाव प्रक्रिया में लाया गया। इसके लिए बेहद लंबी प्रक्रिया चली है। वर्ष 1992 में विधि और न्याय मंत्रालय ने कानून के संशोधन की अधिसूचना जारी की।

ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर वर्ष 1998 में आम सहमति बनी। 1998 में ही राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली की 25 विधानसभा सीटों पर ईवीएम से चुनाव कराए गए। वर्ष 1999 में 45 सीटों पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ। वर्ष 2000 के बाद देश के सभी लोकसभा, विधानसभा और उप चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल में बढ़ोतरी शुरू हो गई। वर्ष 2001 में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी की सभी सीटों पर ईवीएम से चुनाव कराए गए। आज सभी चुनाव ईवीएम से कराए जा रहे हैं।

ऐसा नहीं है, आज का विपक्ष ईवीएम पर सवाल उठा रहा है। ईवीएम हमेशा से विपक्ष के लिए एक राजनीतिक हथियार रही है। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में पहली बार भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार लालकृष्ण आडवाणी और तत्कालीन जनता पार्टी के अध्यक्ष सुब्रमण्यम स्वामी ने ईवीए के जरिए चुनाव में धांधली की बात कही थी। स्वामी तो सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए थे और सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम में वीवीपैट के उपयोग का निर्देश दिया था।

पिछले दिनों भारतीय विपक्ष ने अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान को लेकर मुद्दा उछाला था, जिसमें मस्क ने ईवीएम पर सवाल उठाए थे। हालांकि, एलन मस्क का इशारा अमेरिका में इस्तेमाल हो रही ईवीएम को लेकर था, जो किसी नेटवर्क से जुड़ी होती है, जबकि भारत में ईवीएम एक स्वतंत्र इकाई होती है, जो किसी नेटवर्क से जुड़ी नहीं होती। चुनाव आयोग अक्सर ईवीएम को हैक करने की चुनौती देता है, लेकिन आज तक कोई भी विशेषज्ञ या नेता ईवीएम को हैक करने के लिए नहीं पहुंचा है। एलन मस्क ने कुछ दिन पहले भारत में मतगणना को लेकर तारीफ की थी और उन्होंने यहां तक कहा था कि भारत में एक दिन में 64 करोड़ मतों को गिन लिया गया, जबकि अमेरिका जैसे विकसित देश में भी यह संभव नहीं है।

ईवीएम पर भले राजनीतिक दल सवाल उठा रहे हैं, लेकिन यह कागज के इस्तेमाल से बेहद सस्ता उपाय है। बैलेट पेपर से चुनाव होने के दुष्परिणामों को देश पहले देख चुका है। किस तरीके से बूथ कैप्शन होती थी। लोग बैलेट बाक्स लेकर भाग जाते थे। मतों की गणना में कई दिन लगते थे। विपक्ष का हार स्वीकार न करना और पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना उचित प्रतीत नहीं होता। आज जो पार्टी सत्ता में है, कल वो विपक्ष में होगी और जो आज विपक्ष में है, वो सत्ता में होगा। हमें आगे बढ़ना चाहिए, न की बैलेट पेपर जैसी खर्चीली और लंबी प्रक्रिया की ओर लौटना चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग के साथ बैठना चाहिए। ईवीएम पर एक राय होना चाहिए। यही सच्चा लोकतंत्र होगा।

(साभार : यह लेखक के विचार हैं)

बांसपानी के जंगल में मृत मिला टाइगर, पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार

बाघ के चार मुख्य दांत और तीन नाखून गायब, शिकार की

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा के वन परिक्षेत्र बानापुरा रेंज की बांसपानी के कंपाउंड नंबर 433 बीट में एक टाइगर का शव मिलने से हड़कम्प मचा हुआ है। सिवनी मालवा मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर बियाबान जंगल में टाइगर का शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है। टाइगर का शव मिलने से विभाग में हड़कंप है सिवनी मालवा के बानापुरा वन मंडल में बाँसपानी का सतपुड़ा का जंगल काफी घना है यहां टाइगर का मूवमेंट बना रहता है।

सूत्रों की माने तो बाँसपानी के बियाबान जंगल में टाइगर की मौत करीब तीन से चार दिन पहले की होने की आशंका जताई जा रही है टाइगर का शव डीकमपोज की स्थिति में था। टाइगर को जंगल में झाड़ियां से छुपा के रखा हुआ था इससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि टाइगर का शिकार होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। बताया जाता है कि जहां पर टाइगर का शव मिला है वहीं पर बिजली की लाइन भी गई हुई हैं टाइगर की

मौत बिजली के करंट से भी होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं जो एक जांच का विषय है।

घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के सीसीएफ अशोक कुमार,डॉग स्क्वायड की टीम सहित बाघ का पोस्टमार्टम करने के लिए वरिष्ठ पशु चिकित्सक भोपाल के डॉक्टर प्रशांत देशमुख ने बाग के सब का परीक्षण कर सैंपलिंग लिए गए इस दौरान बाग के मुख्य चार दांत और पंजे के तीन नाखून बाग के शरीर से नहीं मिले इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि शिकारियों द्वारा बाग के नाखून और दांत निकाले गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकती है। मृत बाघ के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद उसका वही जंगल में अंतिम संस्कार किया गया।

चाणक्य कप टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा आज से

विभिन्न समाजों के अध्यक्ष शहर में प्रसारित करेंगे एकता का संदेश

इटारसी, दोपहर मेट्रो

जिला सर्वधर्म सद्भाव समिति के तत्वावधान में चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता 14 दिसंबर से गांधी स्टेडियम इटारसी में आयोजित की जाएगी। प्रथम दिन शाम को विभिन्न समाजों के अध्यक्षों के साथ टीमों के कप्तान और समिति के सदस्य गांधी स्टेडियम से एकता यात्रा निकालेंगे, जो नगर भ्रमण करके वापस गांधी स्टेडियम में समाप्त होगी। इस वर्ष प्रतियोगिता के दौरान संगीत का रंगारंग कार्यक्रम भी होगा। यह जानकारी यहां प्रेमशंकर दुबे स्मृति पत्रकार भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रतियोगिता के आयोजक सर्वधर्म सद्भाव समिति के जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने दी।

उन्होंने बताया कि जिला सर्व ब्राह्मण समाज का उद्देश्य सदैव नेकी का रहा है और इस उद्देश्य की प्राप्ति में सभी समाजों का सहयोग मिलता रहा है। अपनी तरह के इस अनूठे आयोजन में शहर इटारसी के लगभग 28 समाजों की टीमें आपसी भाईचारे और सामंजस्य के उत्कृष्ट उदाहरण के साथ शहर की फिजां में मेलजोल का रस घोलने गांधी स्टेडियम में अपनी खेल भावना का प्रदर्शन करेंगी। श्री राकेश दुबे ने बताया कि देशभर में ऐसी एकता की मिसाल दूसरी नहीं हो सकती जो शहर इटारसी में भाईचारे की देखने को मिलती है।

देश के किसी भी हिस्से में किसी भी प्रकार की हलचल या अराजकता हो पर इटारसी में हमेशा हम, एक हैं और सदैव भाईचारे के संदेश को ही प्रसारित करते हैं । आपस में यह प्रगाढ़ता और बड़े इसी उद्देश्य को लेकर इस टूर्नामेंट के आयोजन की नींव रखी है। टूर्नामेंट प्रबन्धन समिति के अनुसार टूर्नामेन्ट की विजेता टीम को ट्राफी के साथ 35000 रुपए की नगद राशि जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 21000 रुपए की नगद राशि प्रदान की जायेगी। एंट्री फीस 3500 रुपए रखी गई है।

इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य खेल के माध्यम से इटारसी के विभिन्न समाजों में एकता की अलख जगाना है ताकि विभिन्न समाज की प्रतिभाएं आगे आये व एक दूसरे को जाने और शहर में भाईचारे, सौहार्द का वातावरण निर्मित हो सके।

आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी आंदोलन जारी

झूठे वादे करके प्रदेश की भाजपा सरकार ने आम जनता को ठगा है : मालवीय

सरकार महिलाओं, किसानों और युवाओं को ठग रही है

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आम आदमी पार्टी (आप) मध्यप्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी आंदोलन कर रही है. आप जिला अध्यक्ष राजेंद्र मालवीय ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष श्रीमति रानी अग्रवाल के आव्हान पर आम आदमी पार्टी नर्मदापुरम, मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकल के एक वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा अपने संकल्प पत्र अनुसार कोई भी वादे पूर्ण नहीं किए गए है। भाजपा हमेशा से महिलाओं को किसानो को युवाओं ठगते आ रही है। भाजपा ने पिछ्ले वर्ष चुनाव में संकल्प पत्र जारी किया। प्रदेश की भोली भाली जानता से झूट बोला बहुत सारे वादे किये। परन्तु उन वादों को पूरा नहीं किया। इस लिए आज आम आदमी पार्टी सम्पूर्ण प्रदेश में भाजपा के झूठे संकल्प पत्र को जला रही है और प्रदेश की झूठी सरकार को याद दिला रही है कि आपने जनता को झूठे वादे करके ठगा है। इसलिए आपको नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए और जानता से माफी मांगना चाहिए। इस आंदोलन में प्रदेश सह सचिव योगेश साहू, आरटीआई विंग जिला अध्यक्ष सीता सरन पांडे, जिला अध्यक्ष यूथ विंग मयूर पटेल, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सुनील कहार , जिला उपाध्यक्ष नानक राम पटेल, आर एन गुप्ता , जिला संयुक्त सचिव कासिम अली, धनी राम गौर, कमलेश कुमार गढ़वाल, सुमेर सिंह प्रजापति, पूरन लाल, दीपक गोस्वामी, अमोद ठाकुर, सचिन ठाकुर, प्रेम मोर्या, निक्की पटवा एवं अन्य साथी उपस्थित रहे।

खुलास;बदले की भावना को लेकर गांव के युवक द्वारा ही की गई थी दीपक की

एसपी के मार्गदर्शन में सोहागपुर पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में सोहागपुर पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 10.12.24 को सोहागपुर पुलिस को ग्राम समनापुर में एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई थी.सूचना पर मर्ग क्रं. 102/24 धारा 194 बीएनएसएस को पंजीबध्द कर जांच मे लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को शीघ्र ढूढ़ने हेतु डाग स्क्वाड एवं एफएसएल अधिकारी को मौके पर पहुंचाकर घटना स्थल का निरीक्षण करवाया गया एवं आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किये गये। अज्ञात मृतक की पहचान हेतु फोटो दिखाकर आसपास ग्राम में पूछताछ की गई, जो मृतक की पहचान दीपक पिता रामस्वरूप सायलवार जाति कतिया उम्र 38 साल निवासी ग्राम गोटीखेडा के रूप में प्राप्त हुई। जांच के दौरान मृतक दीपक सायलवार के छोटे भाई अमित सायलवार ने कथन में बताया कि मेरा भाई दीपक सायलवार दिनांक 08/12/24 को शाम करीब 07 बजे मेरे ही गाँव गोटीखेडा के अमित इरपाचे के साथ सोहागपुर बाजार जाने का बोलकर गया था, जो दिनांक 10/12/24 के शाम तक घर नही आया था। सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी कंचन सिंह के द्वारा टीम गठित कर अपनी टीम के साथ संदेही की तलाश की गई। संदेही अमित इरपाचे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई. संदेही अमित इरपाचे द्वारा पूर्व मे हुई रंजिश का बदला लेने के लिए मृतक दीपक सायलवार के साथ लात घूंसो व डंडे से मारपीट करना बताया। आरोपी के विरुध्द अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी अमित इरपाचे द्वारा बदले की भावना से प्रेरित होकर मृतक दीपक सायलवार के साथ लात घूंसो व डंडे से मारपीट किया। मारपीट से आई चोटो के कारण दीपक सायलवार की मृत्यु होना पाया गया।

उक्त कार्यवाही में सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी सोहागपुर कंचन सिंह, उनि. आकाशदीप, उनि. प्रवीण यादव, उनि. रामेश्वर वर्मा, सउनि. वरुण सिंह राजपूत, प्र. आर. प्रकाश सिंह, प्र. आर. नरेन्द्र पटेल, आर. सुनील उमरिया, आर रोहित ठाकुर, आर. गुरु, आर. अनिल पाल, आर. रोहित गौर, आर. बलराम सोदे, आर. अतुल शर्मा, आर. चालक राहुल, आर. अभिषेक सायबर सेल की रही ।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी युवक को 3 वर्ष का कारावास तथा 2 हजार रुपए जुर्माना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

एक नाबालिग के साथ मारपीट तथा गलत नीयत से हाथ पकड़ने के मामले में द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट, नर्मदापुरम के न्यायालय द्वारा आरोपी महेश्वरराज पिता जयराज उम्र-25 वर्ष को पॉक्सो अधिनियम की धारा- 7/8 में 03 वर्ष का कारावास तथा 323 भा.दं.वि में 3 माह के कारावास तथा कुल 2,000/- अर्थदण्ड के दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी लखन सिंह भवेदी ने बताया कि महिला थाना नर्मदापुरम अंतर्गत घटना दिनांक 10.02.2024 को शाम के लगभग 7.30 बजे 16 वर्षीय नाबालिग पीड़िता स्कूटी से सामान लेने घर से दुकान जा रही थी, तो रास्ते में मालाखेड़ी रोड पर आरोपी ने पीड़िता का स्कूटी रोककर बुरी नियत से पीड़िता का हाथ पकड़ लिया, पीड़िता हाथ छुड़ाया तो आरोपी ने पीड़िता को थप्पड़ मारा और उसका गला पकड़ लिया। पीड़िता जोर-जोर से रोने लगी तो आरोपी डर कर भाग गया। पीड़िता घर जाकर सारी घटना अपने घर में बताई फिर महिला थाना में रिपोर्ट की, जिसके आधार पर आरोपी के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना उपरांत आरोप पत्र विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट, नर्मदापुरम में प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय के समक्ष विचारण के दौरान के पीड़िता एवं अन्य अभियोजन साक्षीयों के साक्ष्य के आधार पर आरोपी के विरूद्ध अपराध प्रमाणित पाये जाने पर अभियुक्त को दोषी पाकर दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक लखन सिंह भवेदी द्वारा पैरवी की गई।

यातायात पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

नर्मदापुरम. पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में यातायात, साइबर और नशे के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा शांति निकेतन और सेंट पॉल विद्यालय में प्रशिक्षण दिया जा चुका है।गत दिवस यातायात पुलिस द्वारा माखननगर स्थित सीएम राइज उत्कर्ष विद्यालय में यातायात नियमों की जानकारी दी गई और नियमों के पालन की समझाइश दी गई । यातायात पुलिस द्वारा सुरक्षित वाहन चलाने का तरीका, वाहन चलाते समय ध्यान रखने वाली बातें, गुड सेमेरिटंस योजना और दुर्घटना की वजह स्थिति में विभिन्न कानूनी प्रावधान के संबंध में अवगत कराया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्या और अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहे। छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा का समाधान किया गया।

मेट्रो एंकर राज्य आनंद संस्थान द्वारा सोहागपुर में अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित

हम अपनी जिंदगी के लेखे-जोखे दुरुस्त करेंगे, रिश्तों को अच्छा बनाने का प्रयास करेंगे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को विकासखंड सोहागपुर में राज्य आनंद संस्थान द्वारा एक दिवसीय 'अल्पविराम कार्यक्रम' सोहागपुर के गार्डन परिसर में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं जिला पंचायत सीईओ सुजान सिंह रावत के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और प्रार्थना के साथ किया गया। सीईओ जनपद पंचायत सोहागपुर संजय अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

कार्यक्रम के शुरू में आनंद की और आनंद विभाग का परिचय मास्टर ट्रेनर ओम प्रकाश विश्वकर्मा के द्वारा दिया गया। तत्पश्चात मास्टर ट्रेनर सुमन सिंह के द्वारा जीवन का लेखा- जोखा का सत्र लिया गया। जिसमें उन्होंने कुछ प्रश्नों के माध्यम से लोगों को उनके जीवन का लेखा जोखा तैयार करवाया गया। जिसमें उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर बताया कि हम दूसरे लोगों से तो उम्मीद करते हैं और अपने दुख का कारण उन्हें मानते हैं। लेकिन हम अपनी ओर देखना भूल जाते हैं। इस सत्र के माध्यम से लोगों को उनके खुद के साथ कनेक्ट करने का काम किया गया।

जनपद सीईओ संजय अग्रवाल द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए

दूसरे सत्र में ओमप्रकाश के द्वारा रिश्तों के महत्व पर चर्चा की गई। जिसको उन्होंने रिश्तों के मैप के द्वारा बताया कि हम समझ सकते हैं कि हमारे रिश्ते किसके साथ बिगड़े हुए हैं और किसके साथ अच्छे हैं। बिगड़े हुए रिश्तों पर हम को सुधार हेतु काम करना है। कार्यक्रम के अंत में फीडबैक लिया गया। जिसमें उपस्थित सभी लोगों के द्वारा यह प्रण लिया गया कि हम अपनी जिंदगी के लेखे-जोखे को दुरुस्त करेंगे और अपने सभी रिश्तों को अच्छा बनाने का प्रयास करेंगे।

प्रमाण पत्र का वितरण सीईओ जनपद पंचायत संजय अग्रवाल द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, जनपद पंचायत एवं जन अभियान परिषद के कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे। सहयोगी की भूमिका में सुश्री स्तुति मालवीय उपस्थित रहीं।

मोहन सरकार के एक साल पूरा होने पर भाजपाईयों ने मनाया जश्न, की आतिशबाजी

सिरोंज। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने देर शाम को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार का एक साल पूर्ण होने पर नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशबाजी करते हुए जमकर खुशियां मनाई। कार्यकर्ताओं छतरी चौराहे पर सामूहिक रूप से एकत्रित हुए इसके उपरांत कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के समर्थन में भाजपा के झंडे लहराते हुए जोरदार नारेबाजी करते हुए आतिशबाजी मिठाई बाटकर कर खुशी जाहिर की। इस दौरान बड़ी संख्यामें भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

अवारा कुत्तों का आतंक; 31 लोगों को किया घायल, 40 को 1 दिन में लगी वैक्सीन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शहर तथा ग्रामीण क्षेत्र में विगत कुछ दिनों से आवारा कुत्तों के आतंक से सभी लोग भयभीत नजर आ रहे हैं बच्चों से लेकर बड़े लोगों पर भी आवारा कुत्तों का झुडा हमला कर रहे है ।इस वजह लोग डरे हुए हैं शुक्रवार को नगरी क्षेत्र के 19 मामले कुत्तों केक काटने के आए हैं। इसने सभी की चिंताएं सातवें आसमान पर पहुंचा गई है।अब घरों से निकलने में भी लोग डरने लगे हैं न जाने कहां से कुत्तों का झुंड हमला कर दे बैसे तो 31 मामले एक दिन में आए हैं शेष मामले ग्रामीण क्षेत्र के बताया जा रहा है । इसके बाद अस्पताल में इनकी भीड़ लगी हुई थी परिजन कुत्तों के काटने से घायलों को इलाज के लिए शासकीय राजीव गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर वैक्सीन लगाने के लिए भीड़ जाने होने पर नंबर लग रहा था। बीएमओ डॉक्टर विकास सिंह बगल ने बताया कि 31 मामले एक दिन में सामने आए इसमें गांव तथा शहर के मरीज थे ।वैसे 40 को वैक्सीन लगाने का काम किया है इसमें कुछ पुराने लोग भी वैक्सीन लगवाने आए हुए थे। दूसरी और एक दिन में इतनी अधिक संख्या में कुत्तों के काटने के मामले ने सभी को अचंभित कर दिया है ।इस समय शहर में चारों तरफ कुत्तों का झुंड घूम रहे है । अकेले बच्चों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया इनकी रोकथाम के लिए प्रशासन के द्वारा धरातल पर कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं । इस वजह से सभी लोग परेशान हैं आखिर कब इन आवरा कुत्तों कहर से लोगों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के अंतर्गत शिविर का आयोजन

पात्र हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, उनकी समस्याओं का समाधान हो

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के अंतर्गत 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक लगाये जाने के क्रम में नगर पालिका सिरोंज द्वारा आज दिनांक 13 दिसम्बर 2024 को वार्ड 01 में शिवर का प्रारंभ किया गया जिसमें कार्यक्रम में उपस्थित जनपतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा सर्वप्रथम सरस्वती जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया उसके बाद कन्याओं का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

आयोजित शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। इस शिविर में नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन, और अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा, लोगों की शिकायतों और समस्याओं का भी समाधान किया गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री रामप्रकाश साहू ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान करने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करना था। यह शिविर मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं का समाधान किया । इस शिविर के आयोजन से लोगों को अपनी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिली और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में भी मदद मिली। नगर पालिका सिरोंज के अधिकारियों ने बताया कि वे भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, ताकि लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिल सके।

कार्यक्रम में कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें पेंशन के 04 नल समस्या के 02, राशन पर्ची के 01 विद्युत विभाग का 04, आयुष्मान कार्ड के 14 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से पेंशन राशन पर्ची तथा आयुष्मान के आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। साथ ही कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथियो द्वारा हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदाय किये गये जिसमें पेंशन के 01, 50000/- लोन के 01 एवं आवास के 03 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता सचिन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, आदि गणमान्य नगारिक एवं नगरपालिका के स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना, उपयंत्री रोहित सिंह तोमर, अखिलेश मार्को एंव नगरपालिका तथा अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी सम्मलित थे। इसी श्रृखला में अगला कार्यक्रम दिनांक 16.12.2024 को वार्ड 02 नवीन बस स्टेण्ड पर आयोजि किया गया है। जिसमें वार्ड 02 के हितग्राही मूलक योजनाओं से हितग्राहियो को लाभान्वित किया जावेगा ।

रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

कलेक्टर ने मरीजों व परिजनों के बैठक व्यवस्था समेत कई बिंदुओं पर अधिकारियों के दिए निर्देश

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में विगत दिवस गुरुवार को जिला चिकित्सालय के बैठक कक्ष में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त बैठक में निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए लिए गए निर्णयों को अमल में लाया जाकर कार्यों को संपादन कराए जाने हेतु निर्देशित किया है। बैठक के दौरान विगत बैठक का पालन प्रतिवेदन, पेवर ब्लॉक की रिपेयरिंग हेतु प्रस्ताव विषय पर चर्चा, एसएनसीयू के स्विच एवं बोर्ड बदलने हेतु प्रस्ताव एवं चर्चा, जनरेटर हेतु टीन शेड के निर्माण के लिए प्रस्ताव अनुमति, मरीजों के परिजनों के बैठने के लिए टीन शेड बनवाए जाने का प्रस्ताव तथा फायर सेफ्टी एनओसी के लिए प्रस्ताव और चर्चा सहित अनेक बिंदुओं पर चर्चा की गई है।

कलेक्टर श्री सिंह ने इस बैठक में उपस्थित समिति के अन्य सदस्य गणों की सहमति पर लिए गए निर्णयों पर किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय परिसर में मरीजों और उनके परिजनो को चिकित्सीय सुविधाओं सहित अन्य सुविधाओं के मामले में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए इसके लिए जो भी कार्य प्रस्तावित हैं या प्रगतिरत हैं उन्हें शीघ्र पूरा कराया जाए।

जिला चिकित्सालय के बैठक कक्ष में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेश तिवारी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. शिरीष रघुवंशी समेत समिति के अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

जिले में मलेरिया विभाग का सतत् लार्वा सर्वे अभियान जारी

विदिशा, दोपहर मेट्रो

जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में शहरी क्षेत्र विदिशा के राघवजी कालोनी, दुर्गानगर, राजपूत कालोनी में आज शुक्रवार को 189 घरों का लार्वा सर्वे के कार्यों का संपादन किया गया।

डेंगू प्रतिबंधात्मक गतिविधि के अंतर्गत कीटनाशक दवा का छिड़काव, फॉगिंग कार्य किया गया तथा डेंगू से बचाव संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जनसमुदाय को अवगय कराया गया कि वह अपने घर एवं घर के आस-पास में पानी एकत्रित ना होने दें, टायर, गमले, कूलर, पानी टंकी की नित्य सफाई करें तथा मच्छरदानी का उपयोग करें और फुल अस्तीन के कपड़े पहने व मच्छर पनपने ना दें। एनजीओ के माध्यम से भी स्कूल कालेज में डेंगू से बचाव की वीडियो दिखाकर छात्रों को जागरूक किया जा रहा है। शुक्रवार को प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार डेंगू के 18 सेम्पल लिये गये जिसमें से 0 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाये गये। जिला चिकित्सालय एवं मेडीकल कालेज में एक भी मरीज भर्ती नहीं है।

एक प्रकरण में नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के द्वारा एक प्रकरण में चार अज्ञात फरार आरोपियों की सूचना देने वालो को दस हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक काशवानी के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना मुगलसराय में दर्ज अपराध क्रमांक 167/2024 के अज्ञात चार फरार आरोपियों की सूचना देने वालो को दस हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

एनआरसी का निरीक्षण

विदिशा। श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय में संचालित एनआरसी केन्द्र का महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत ने भ्रमण किया। उन्होंने पोषण आधार सहित अन्य व्यवस्थाओं की सतत् पूर्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

थाने में लावारिस वाहन को लेने लगा मेला, जोश में लगाई अधिक बोली, अब उठाने को तैयार नहीं

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को थाने में लावारिस वाहनों को खरीदने के लिए दोपहर 12 से प्रक्रिया प्रारंभ होनी थी पर इनको लेने वालों की भीड़ सुबह 10 से ही जमा होना प्रारंभ हो गई थी देखने वालों का भी तमाशा लगा हुआ था भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने केवल वास्तव में बोली में शमिल होने वाले व्यक्तियों थाने के अंदर प्रवेश दिया जा रहा था भीड़ लगाने वालों को खदेड़ना काम भी पुलिसकर्मी के द्वारा किया जा रहा था। एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी, तथा थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया के उपरांत लावारिस वाहनों को लेने वालों से बोली आमंत्रित की गई। उनकी सबसे नीचे की बोली 4500 सौ रुपए से लेकर अधिकतम 70000 रुपए तक की बोली इन वाहनों को खरीदने ने लगाई इनमें से कई ऐसे वाहनों शामिल जिनकी बोली उम्मीद से

काफी ज्यादा लगाने का काम तो कर दिया फिर लेने की बारी आई तो इनको लिए बगैर ही चलते बने ऊंची कीमत लगाने वालों को काफी देर तक पुलिस खोजते रहे पर यहां थाने में कहीं नजर नहीं आए जिन लोगों ने वाहनों की बोली कीमत तथा अपने बजट के हिसाब से लगाई थी वहां जरूर थाने में वाहन खरीदने लिए पहुंचे कई सालों से वाहन खड़े हुए थे इसकी वजह से इनकी हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई थी इनको लोडिंग वाहनों से इनको ले जाने का काम किया दूसरी ओर 61 वाहनों की नीलामी बोली के मध्यम से होनी थी पर 49 के करीब वाहनों लेने के लिए खरीदने वालों ने बोली लगाई इनमें से कई ऐसे बोली लगाने थे जिन्होंने कीमत लगाने के बाद जब लेने की बारी आए तो कीमत अधिक लगने पर इनको उठाने को तैयार नहीं हुए । थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार ने बताया कि कुछ लोगों ने बोली तो लगा दी पर कीमत ज्यादा लगने पर लेकर नहीं जा रहे हैं समय सीमा मैं बोली लगाने वाले इनको लेकर नहीं जाते हैं तो अगली बार की बोली में इनको शामिल किया जाएगा इस बार 500 की राशि जमा कराई थी इसको अगली बार 10000 करेंगे जिससे की बोली लगाने वाला व्यक्ति लेकर लेकर भी जाएगा दूसरी ओर खस्ताहाल कर की कीमत 70000 लगाने वाला व्यक्ति उठाने को तैयार नहीं जब कि इसकी बोली 40000 रुपए लगाई थी पर उक्त व्यक्ति एकदम से बोली बड़ा का 70000 कर दी लेकिन लेकर नहीं गया इसी तरह दो पहिया वाहनों की कीमत भी कई गुना अधिक लगा दी फिर उनको ले जाने को तैयार नहीं हुए इस कारण से बड़ी संख्या में नीलामी के बाद भी इनको लेकर नहीं गए दूसरी ओर कीमत अच्छी में लावारिस वाहनों की पुलिस को मिली है।

उपार्जन केन्द्रों व उर्वरक विक्रय व्यवस्था का लिया जायजा, किसानों की समस्याएं सुनीं

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा विपणन संघ के प्रबंध संचालक आलोक कुमार सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार को जिले में जारी उपार्जन कार्यों तथा उर्वरक विक्रय व्यवस्थाओं का भ्रमण कर जायजा लिया है।

इस दौरान विदिशा जिले में विपणन संघ के नवीन कार्यालय निर्माण, कृषकों को सुगमता से खाद वितरण किए जाने हेतु कृषक विश्राम शेड निर्माण, उर्वरक की उपलब्धता एवं सोयाबीन उपार्जन केंद्र बरींघाट,

गमाखर अजय वेयरहाउस पर खरीदी व कृषकों के भुगतान की समीक्षा की गई। कृषकों से संवाद कर कहीं कोई समस्या तो नहीं की जानकारी भी ली गई। इसके पश्चात ग्राम पांझ में प्राकृतिक खेती की समीक्षा एवं निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान एसडीएम क्षितिज शर्मा, मुख्य अभियंता विपणन संघ कुशल पंमनानी, उपसंचालक कृषि केएस खपेड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक विदिशा विनय प्रकाश सिंह एवं जिला विपणन अधिकारी कल्याण सिंह के साथ मौजूद रहे।

फेडरर के बराबर पहुंचे जोकोविच, यूएस ओपन में 89वीं जीत दर्ज की

न्यूयॉर्क. एजेंसी

पेरिस ओलंपिक चैंपियन और दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने साल के चौथे और आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन में जीत से आगाज किया। उन्होंने पुरुष एकल के पहले दौर में मोल्दोवा के राडु अल्वोट को 6-2, 6-2, 6-4 से हराया। सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच ने यूएस ओपन में कुल 89वीं जीत हासिल की। उन्होंने स्विट्जरलैंड के पूर्व खिलाड़ी रोजर फेडरर की बराबरी की और यहां सर्वाधिक मैच जीतने वाले इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए। हमवतन खिलाड़ी लास्लो से भिड़ंत- दूसरी सीड जोकोविच की हमवतन खिलाड़ी लास्लो डिजेरे से भिड़ंत होगी। लास्लो ने जर्मनी के जेन लेनॉर्ड स्ट्रोफ को 6-7, 6-1, 6-7, 6-4, 6-2 से शिकस्त दी।

सुमित नागल पहले राउंड में हारे

पुरुष एकल में एकमात्र भारतीय चुनौती सुमित नागल को पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा। उन्हें नीदरलैंड्स के खिलाड़ी तालौन ग्रिस्कपोर ने आसानी से सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 7-6 से मात दी।

महिला एकल-दूसरी सीड सबालेंका का जीत से आगाज

बेलारूस की दिग्गज खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन में जीत से आगाज किया। पिछली बार की उपविजेता व दूसरी वरीय सबालेंका ने पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की प्रिसिला होन को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी।

टेनिसः सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक ने पहले राउंड में मोल्दोवा के राडु अल्वोट को दी शिकस्त

अल्कारेज की ग्रैंड स्लैम में लगातार 15वीं जीत-ऑस्ट्रेलिया के ली तू को हराया

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। 21 साल के अल्कारेज ने मंगलवार को पहले राउंड में ऑस्ट्रेलिया के ली तू को लगातार 4 सेटों में हराया। अल्कारेज ने ली तू को चार सेट्स में 6-2, 4-6, 6-3, 6-1 से मात दी। यह अल्कारेज की किसी भी ग्रैंड स्लैम में लगातार 15वीं जीत है। दूसरी ओर ब्रिटेन के डैन इवांस ने रूस के कारेन खाचानोव को रिकॉर्ड 5 घंटे 35 मिनट चले मुकाबले में 6-7, 7-6, 7-6, 4-6, 6-4 से हराया। यह यूएस ओपन के इतिहास का सबसे लंबा मुकाबला रहा। इससे पहले 1992 में स्टीफन एडबर्ग और माइकल चांग के बीच सेमीफाइनल मैच 5 घंटे 26 मिनट तक चला था।

ओसाका-स्वियातेक की आसान जीत: अमेरिकन ओपन के विमेंस सिंगल्स में नाओमी ओसाका, इगा स्वियातेक ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। लंबे समय बाद कोर्ट में वापसी कर रहीं ओसाका ने 10वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6- 2 से हराया। उन्होंने चार साल में पहली बार टॉप-10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है।

गाबा में कप्तान का किरदार अहम मध्यक्रम में हिटमैन के कोई मायने नहीं

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का रोमांच चरम पर है। आज से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर दोंनो टीमों के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जायेगा।पर्थ में मिली शिकस्त और एडिलेड में मिली जीत से सीरीज बराबर करने के बाद ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के हौसले बुलंद हैं।अब घरेलू टीम की नजरें ब्रिस्बेन में होने वाले तीसरे टेस्ट को जीतकर बढ़त बनाने पर हैं। वहीं रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के टिकिट की आस जिंदा रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी।वहीं घरेलू टीम का लक्ष्य भी इस रेस में बढ़त हासिल करने का होगा।भले ही एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया पर 10 विकेट से हार का असर गहरा है,लेकिन ऑस्ट्रेलिया में हार का स्वाद चखने के बाद टीम इंडिया की दमदार वापसी का इतिहास भी पिछ्ले दौरों में देखने को मिला है।टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा मौजूदा सीरीज में बैकफुट पर हैं और टीम को जीत की राह पर लाने के लिए उनको फ्रंट से लीड करना प?गा। फ्रंट से लीड करने के मायने मेरी नजर में उनको ही बतौर ओपनिंग बल्लेबाज ही अपनी भूमिका निभानी होगी।सच तो यह है कि आत्मविश्वास से भरी प्रतिद्वंद्वी टीम को अगर दबाव में लाना है तो उन्हें पारी का आगाज ही करना चाहिए।वैसे भी हिटमैन के लिए मध्यक्रम में बल्लेबाजी का कोई मतलब ही नही समझ आता है।यह बात वाकई समझ से परे है कि कप्तान के इस नाजुक समय

मे टीम मैनेजमेंट उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने की कोशिश क्यों नहीं कर रहा है।वैसे तो टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा हमेशा ही रोमांचक रहता है,लेकिन इस दौरे की अहमियत क्रिकेट के चाहने वालों के लिए इस वजह से अधिक है क्योंकि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल किन दो टीमों के बीच होगा सबकी नजर इस पर है। हर मैच के साथ समीकरण बदल रहे हैं।मौजूदा सत्र में अब 10 टेस्ट बचे हैं लेकिन टॉप-2 में कौन सी 2 टीमें रहेंगी, यह अब तक साफ नहीं हो पाया है। न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज फाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गए।

साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को दो मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। अब वह फाइनल से महज 1 जीत दूर है तो ऐसा माना जा सकता है कि उसकी जगह तो पक्की है,वहीं दूसरी फाइनलिस्ट लिए इन दो ही टीमों के बीच मुख्य खींचतान बाकी है।अब अगर हम अंतिम एकादश की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया टीम में हेसलवुड की कापसी हुई है,जबकि टीम इंडिया अपनी गेंदबाजी में 3 बदलाव कर सकती है।रविचंद्रन अश्विन की जगह रविंद्र जडेजा या वाशिंगटन सुंदर को मौका मिल सकता है।अश्विन दूसरे टेस्ट में कुछ खास नहीं कर पाए थे।मेरे नजरिये में सुंदर की जगह उनका चयन हीगलत था।टीम इंडिया की बल्लेबाजी अब कमजोर दिख रही है,ऐसे में विदेशी परिस्थितियों में रविंद्र जडेजा की दावेदारी ज्यादा मजबूत नजर आ रही है।तीसरा बदलाव तेज गेंदबाजी में हर्षित राणा की जगह आकाशदीप का देखने मिल सकता है।मौजूदा दौर में टेस्ट मैचों का रिजल्ट मैच के तीसरे या फिर चौथे दिन निकलने की वजह से टॉस की भूमिका भी काफी हद तक सीमित नजर आने लगी है।मतलब साफ है कि टॉस अब मैच का बॉस नहीं रह गया है।ज्यादातर मैचों में पहली पारी की ब?त ही मैच में निर्णायक साबित होती है।भले ही ब्रिस्बेन में बारिश के खलल की भी आशंका है,लेकिन बावजूद इसके मैच का फैसला निकलना तय है।गाबा के मैदान पर बाजी किसके हाथ लगेगी यह तो वक्त ही बताएगा,लेकिन एक बात तय है कि अगर टीम इंडिया को सीरीज में ब?त के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस में दावेदारी रखनी है तो फिर रोहित शर्मा को अपना असल किरदार(बतौर ओपनर) ही निभाना होगा।ऐसा भी संभव है कि उनको इस मैच में बतौर ओपनर वह कामयाबी न मिले जिसके लिये वह जाने जाते हैं,लेकिन सच तो यही है कि टीम में उनकी जगह मध्यक्रम में तो कतई फिट नहीं है।

बड़ौदा को 6 विकेट से हराया, खिताब के लिए मध्यप्रदेश से होगी टक्कर

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः रहाणे की एक और तूफानी पारी, मुंबई फाइनल में

बेंगलूरु. एजेंसी

अजिंक्य रहाणे (98) की एक और तूफानी पारी की बदौलत मुंबई ने शुक्रवार को यहां बड़ौदा को छह विकेट से हराकर घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब रविवार को फाइनल में मुंबई का सामना मध्यप्रदेश से होगा। बड़ौदा ने 7 विकेट पर 158 रन बनाए, जिसके जवाब में मुंबई ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर फाइनल का टिकट कटाया। रहाणे ने 56 गेंदों पर 11 चौके व 5 छक्के लगाते हुए 98 रन बनाए। यह उनका लगातार तीसरा अर्धशतक है।

पाटीदार के अर्धशतक से जीता मध्यप्रदेश

कप्तान रजत पाटीदार (नाबाद 66) और हरप्रीत सिंह (नाबाद 46) के बीच चौथे विकेट के लिए हुई 106 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत मध्यप्रदेश ने दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली को सात विकेट से हरा दिया। दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 146 रन बनाए थे, जिसमें सर्वाधिक 33 रन अनुज रावत ने बनाए। जवाब में मध्यप्रदेश ने 15.4 ओवर में 3 विकेट पर 152 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

हार्दिक ने किया निराश...

बड़ौदा के हार्दिक पांड्या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए महज 5 रन बना सके, जबकि गेंदबाजी में उन्होंने 29 रन देकर एक विकेट लिया। मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्कों से 46 रन बनाए। सूर्यांश ने दो, जबकि शार्दुल ठाकुर, शिवम दूबे, मोहित अवस्थी, तनुष व अथर्व ने एक-एक विकेट लिए।

रुतपर्णा व स्वेतपर्णा की जोड़ी को शिकस्त

सियोल, एजेंसी। रुतपर्णा पांडा और स्वेतपर्णा पांडा की भारतीय महिला बैडमिंटन जोड़ी ने कोरिया ओपन के शुरुआती दौर में निराश किया और हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चीनी ताइपे की हसिह पेई शान और हंग एन त्जू की जोड़ी ने महज 37 मिनट में बैडमिंटन रैंकिंग में 46वें नंबर पर काबिज पांडा बहनों को सीधे गेम में 21-18, 21-5 से मात दी।

मेट्रो बाजार

कपड़ा होगा महंगा! पंजाब और हरियाणा में कपास की आवक 43 फीसदी घटी

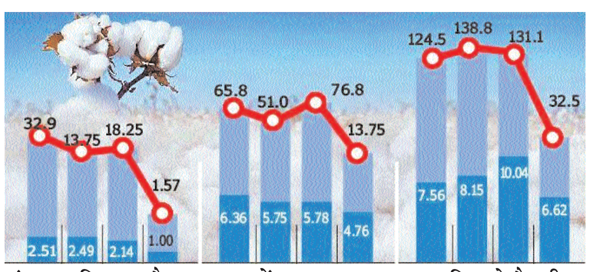

नईदिल्ली. एजेंसी

कपास उत्पादन वाले भारत के प्रमुख राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से इस साल कपास की आवक में 43त्न गिरावट आई है। भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए आवक में यह गिरावट चिंता का कारण बन गई है, क्योंकि इन राज्यों से देश की कुल कपास आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कपास की आवक में आई यह गिरावट किसानों के लिए भी आर्थिक संकट का कारण बन सकती है, क्योंकि कपास इन राज्यों में प्रमुख नकद फसल मानी जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 2024-25 के सीजन के दौरान कपास की आवक में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। इन राज्यों से अब तक केवल 80 लाख गांठ कपास की आवक हुई है, जबकि पिछले साल इसी समय तक यह आंकड़ा लगभग 140 लाख गांठ था। कपास की आवक में गिरावट का असर सिर्फ किसानों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कपास और उससे बने उत्पादों के दामों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसलिए घटा उत्पादन- विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण असमय बारिश, बेमौसमी सूखा और कुछ क्षेत्रों में कीटों का प्रकोप है। इससे फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है, जिसके परिणामस्वरूप किसानों को नुकसान हुआ है। इसके अतिरिक्त, कम पानी और सिंचाई की समस्याएं भी कपास की सही ढंग से फसल उगाने में एक बड़ी चुनौती बन गई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। किसान संगठनों ने सरकार से कपास उत्पादन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है।

तेज होगी ट्रेडिंग, जल्द छोटे निवेशकों को भी मिलेगा एल्गो ट्रेडिंग का मौका

मुंबई. एजेंसी

सेबी ने छोटे और खुदरा निवेशकों के लिए एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। यह तकनीक कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए ट्रेडिंग को तेज, सस्ता और पारदर्शी बनाती है। इसमें अधिक मुनाफा कमाने की गुंजाइश भी रहती है। अब तक यह सुविधा केवल संस्थागत निवेशकों को मिलती थी, लेकिन सेबी ने इसे रिटेल निवेशकों के लिए भी उपलब्ध कराने का फैसला किया है। एल्गो का उपयोग कर निवेशक तेजी से खरीद-फरोख्त कर सकते हैं। यह सुविधा रिटेल निवेशकों को सुरक्षा और सही नियमों के साथ दी जाएगी। प्रस्तावित प्रावधान- एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा स्टॉक ब्रोकरों के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए ब्रोकर को पहले स्टॉक एक्सचेंज से अनुमति लेनी होगी। स्टॉक एक्सचेंज, सेबी के साथ मिलकर, ब्रोकर और एल्गो प्रदाताओं की जिम्मेदारियां तय करेंगे। इसमें जोखिम प्रबंधन, लेन-देन की निगरानी और अन्य प्रक्रियाएं शामिल होंगी। कुछ प्रकार के एल्गो को तेजी से पंजीकृत करने के लिए टर्नअराउंड टाइम तय किया जाएगा। इस प्रस्ताव के लागू होने बाद रिटेल निवेशक भी एल्गो ट्रेडिंग के माध्यम से तेज, सुरक्षित, पारदर्शी तरीके से लेन-देन कर पाएंगे। इससे उन्हें एडवांस तकनीक का लाभ मिलेगा । सेबी ने इस प्रस्ताव पर 3 जनवरी, 2025 तक लोगों से सुझाव मांगे हैं।

एपीआइ का होगा इस्तेमाल... एल्गो ट्रेडिंग के लिए एपीआइ (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रोकर इस प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि एल्गो प्रदाता या फिनटेक कंपनियां उनके एजेंट के रूप में काम करेंगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

'बादशाह' में ट्विंकल खन्ना नहीं थीं निर्माता की पहली पसंद

शाहरुख खान और ट्विंकल खन्ना अभिनित फिल्म बादशाह ने हाल ही में 25 साल पूरे किए हैं। इस फिल्म ने शाहरुख खान के सुपरस्टार बनने के सफर को और आगे तेजी से बढ़ाया, वहीं यह फिल्म ट्विंकल खन्ना की सबसे लोकप्रिय स्क्रीन अपीयरेंस में से एक रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हाल ही में निर्माता रतन जैन ने खुलासा किया कि फिल्म बादशाह के लिए ट्विंकल खन्ना उनकी पहली पसंद नहीं थीं। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म बादशाह में शाहरुख खान और ट्विंकल खन्ना के अलावा जॉनी लीवर, अमरीश पुरी, राखी गुलजार, प्रेम चोपड़ा, शरत सक्सेना, सचिन खेडेकर, पंकज धीर, दीपशिखा और सौरभ शुक्ला ने अहम भूमिका निभाई थी। अब इस फिल्म में ट्विंकल खन्ना द्वारा निभाए गए किरदार को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माता रतन जैन ने कहा, 卐पहले हमने करिश्मा कपूर पर विचार किया था। उन्हें लगभग फाइनल कर लिया था, लेकिन फिर किसी कारण से वह यह फिल्म नहीं कर पा रही थीं। फिर हमने कुछ और अभिनेत्रियों के बारे में विचार किया। आखिर में हमने फिर ट्विंकल खन्ना को फाइनल किया।

शाहरुख हमेशा से थे पहली च्वाइस

वहीं जब एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक जोड़ी से शाहरुख खान की भूमिका के लिए अक्षय कुमार पर विचार किए जाने की बात को पूछा गया तो उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। शाहरुख हमेशा पहली पसंद थे। शाहरुख ने फिल्म में बहुत सारे चेंजेस किए, जो फिल्म के लिए लाभदाक साबित हुए। वो कमाल के एक्टर हैं ! चाहे फिर कॉमेडी हो या सीरियस एक्ट, वो हर एक चीज में बहुत अच्छे हैं। आगे निर्माता ने कहा, फिल्म में कुछ कार्ड ट्रिक्स वास्तव में शाहरुख खान ने खुद किए थे, जो सेट पर एक जादूगर ने उन्हें सिखाए थे। फिल्म में कोई ग्राफिक्स या वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं किया गया था। लोग अभी भी फिल्म देखते हैं और आश्चर्य करते हैं कि उन्होंने यह कैसे किया! बादशाह में शाहरुख खान ने एक जासूस की भूमिका निभाई थी।

'वह बहुत दिल से काम करते हैं', अपारशक्ति खुराना ने बांधे अक्षय कुमार की तारीफों के पुल

दंगल और स्त्री जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से अपारशक्ति खुराना ने लोगों के दिलों में अलग छाप छोड़ी है। वह इन दिनों स्त्री 2 की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस फिल्म में वह बिट्टू के किरदार के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने भी उनके साथ काम किया है। हाल ही में अपाशक्ति ने एक बातचीत में बॉलीवुड के खिलाड़ी की खुलकर तारीफ की है। फिल्म में अक्षय ने सरकटा वंश के आखिरी जीवित सदस्य की भूमिका निभाई है। हालांकि, उनके किरदार को लेकर अभी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। बातचीत के दौरान अपारशक्ति खुराना ने अक्षय की हंसाने की कला पर बात करते हुए कहा कि कोई भी उनकी कॉमिक टाइमिंग से मेल नहीं खा सकता। उन्होंने अमेरिका में शूटिंग के दौरान अक्षय के साथ बिताए 20 दिनों को याद करते हुए कहा कि वह वह असीम ऊर्जा, अनुशासन और इंडस्ट्री में उनके अब तक सफर से अचंभित हैं। 'स्त्री 2' के सेट पर अक्षय की ऊर्जा और काम के प्रति उनके समर्पण की तारीफ करते हुए अपारशक्ति ने कहा, जब वह एक सीन भी करने आते हैं, तो भी उनमें ऐसी उर्जा होती है जैसे वह पूरी फिल्म का हिस्सा हों। वह बहुत दिल से काम करते हैं। अपारशक्ति ने अक्षय के कैमियो रोल में भी अपनी छाप छोड़ने पर आश्चर्य व्यक्त किया। गौरतलब है कि स्त्री 2 में अक्षय कुमार को विशिष्ट भूमिका में देखकर फैंस भी हैरान रह गए थे।

कंगना रणौत ने 'ओपेनहाइमर' से की 'इमरजेंसी' की तुलना बोलीं- मेरी फिल्म आपके लिए कई दरवाजे खोलेगी

कंगना रणौत अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी के प्रचार में व्यस्त हैं, जिसमें वह भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व के बारे में बात की और बताया कि क्या हम उन्हें अच्छा या बुरा के रूप में विभाजित कर सकते हैं। इसके अलावा कंगना ने बताया कि उनकी फिल्म की तुलना ओपेनहाइमर से की जा सकती है। अभिनेत्री ने अपने हालिया साक्षात्कार में कहा, मुझे नहीं पता कि लोग सच्चाई से इतने असहज क्यों हैं। जैसे कि वह हमें स्पष्ट रूप से देख नहीं सकते हैं। कंगना ने आगे कहा, 卐यह मैकबेथ की तरह ही है। मैकबेथ को राजा बनना तय था, और जब वह राजा को मारकर राजा बन जाता है तो खंजर उसका पीछा करता है। उसका विवेक उसका पीछा करता है... इमरजेंसी का विचार यह है कि हममें से सबसे अच्छे लोग भी अभिमान का शिकार बन सकते हैं। बता दें कि ओपेनहाइमर ने 96वें अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ चित्र और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता सहित सात ऑस्कर जीते। यह फिल्म अमेरिकी भौतिक विज्ञानी जे रॉबर्ट ओपेनहाइमर की कहानी बताती है, जिन्होंने परमाणु बम विकसित करने की दौड़ का नेतृत्व किया था। फिल्म ने वैश्विक स्तर पर लगभग एक बिलियन डॉलर की कमाई की। इमरजेंसी का निर्देशन कंगना रणौत ने किया है और वही इसमें मुख्य भूमिका भी निभा रही है। यह फिल्म आपातकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कंगना रणौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में दिखेंगी। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और अनुपम खेर समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया है। इसे 6 सितंबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

दुष्कर्म के आरोपी-पीड़िता की मां को 20-20 साल की सजा

बडी बहन की मदद से बच्ची पहुंची पुलिस तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग इलाके में नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी और पीड़िता की मां को विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट कुमुदिनी पटेल की कोर्ट ने बीस-बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही एक-एक हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया गया है। प्रकरण में शासन की तरफ से विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला एवं ज्योति कुजूर ने पैरवी की थी।

जानकारी के अनुसार मई 2022 में नाबालिग ने ऐशबाग थाने में शिकायत की थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी कमल सिंह उसके पिता का दोस्त है और ग्वालियर का रहने वाला है। वह काम से भोपाल आता तो उसके ही घर पर रुकता था, इसलिए वह उसे बचपन से जानती है। नवंबर 2017 में वह घर आया था। इस दौरान जब उसके पिता और भाई घर पर नहीं थे तो कमल सिंह ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया था। घटना के समय पीड़िता की मां भी घर पर मौजूद थी। किशोरी ने जब इसका विरोध किया तो मां ने उसका मुंह दबा दिया था। मां की इस हरकत के कारण पीड़िता डर गई और किसी से शिकायत नहीं की थी। उसके बाद कमल जब भी घर आता तो किशोरी के साथ गलत काम करता था और पीड़िता की मां उसे रोकने के बजाए सहयोग करती थी। इस प्रकार की हरकतों से परेशान होकर मार्च 2022 में भी कमल सिंह ने उसके साथ हरकत की थी।

उसके बाद पीड़िता अपनी बुआ की बेटी के घर चली गई थी। उसने दीदी को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसे थाने ले जाया गया था। मई 2022 में पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर कमल सिंह और उसकी मां के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सों एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत कस दर्ज किया था। इस मामले में न्यायालय ने दोनों को बीस-बीस साल की सजा सुनाई है।

दुष्कर्म के मामले में फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे गांव के बाहर जंगल इलाके से पकड़ा गया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर ढाई हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी और उसके साथी ने दो महीने पहले एक दलित युवती का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 18 वर्षीय युवती अपने घर से बगैर बताए लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। अगले दिन युवती घर पहुंच गई। पुलिस ने पूछताछ की तो बताया कि रोहित नामक युवक उसे घुमाने के बहाने अपने साथ लेकर गया था, जहां उसके दोस्त ने युवती से दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया था। पुलिस ने इस मामले में रोहित और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया था। घटना के बाद से ही आरोपी रोहित फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी पर ढाई हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि फरार आरोपी गांव के बाहर जंगल एरिया में छिपा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी अरूण शर्मा, एसआई शम्भूसिंह सेंगर, प्रियांशी कौरव, आरक्षक रामबाबू भिलाला, रामसेवक यादव और सैनिक जसपाल यादव का विशेष योगदान रहा।

छत पर कपडे सुखा रही थी और हो गई वारदात

महिला के घर से दिनदहाड़े नकदी-जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बजरिया में रहने वाली एक महिला के घर दिनदहाड़े बदमाश घुस गए और सोने-चांदी के जेवरात तथा 45 हजार रुपये नकद चोरी कर भाग निकले। घटना के समय महिला कपड़े सुखाने के लिए छत पर गई हुई थी। कुछ ही देर बाद वापस लौटी तो चोरी का पता चला।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मोना नामदेव पत्नी मनीष नामदेव (44) पुरुषोत्तम नगर सेमरा थाना बजरिया में रहती हैं और गृहणी हैं। बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे उन्होंने अपने कमरे की लाईट बंद की और बहार से कुंदी लगाकर मकान की छत पर कपड़े सुखाने चली गई। करीब पांच मिनट बाद वापस लौटी तो कुंदी लगी हुई थी, लेकिन अंदर कमरे में रखी अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर अलमारी में रखे 45 हजार रुपये नकद, सोने की झुमकी, चांदी की पायल, कमर का छल्ला, अंगूठी, मंगल सूत्र नहीं था। अज्ञात बदमाशों ने मंदिर के पास रखी अलमारी की चाबी लेकर लॉक खोला और सामान चोरी कर गायब हो गया।

महिला ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो गुरुवार को थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घरों के सामने खड़े दोपहिया वाहन ले उड़े बदमाश

भोपाल। राजधानी में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। टीटी नगर पुलिस ने बताया कि विवेक श्रीवास्तव (42) पत्रकार कालोनी में रहते हैं और एक निजी कालेज में नौकरी करते हैं। पिछले दिनों वह अपनी बाइक घर के सामने खड़ी करके काम से जबलपुर चले गए थे। वापस लौटे तो पता चला कि घर के सामने खड़ी उनकी बाइक चोरी हो चुकी है। इधर बजरिया थानांतर्गत राहुल कैंपस में रहने वाले चिमनलाल बकोरिया डेकोरेशन का काम करते हैं। रात करीब नौ बजे उन्होंने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। बाइक की चाबी बाइक में ही लगी थी। अगली सुबह देखा तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। इधर ग्राम परेवाखेड़ा पतलोन थाना ईंटखेड़ी निवासी भूरे खां मजदूरी करते हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी बाइक इज्तिमा मार्केट हमीदिया के सामने बीएसएनएस आफिस की बाउंड्री के पास खड़ी की और कंबल खरीदने के लिए मार्केट के अंदर चले गए। करीब पंद्रह मिनट बाद बाहर निकले तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। आसपास तलाश करने पर भी जब बाइक नहीं मिली तो भूरे खां ने शाहजहांनाबाद थाने जाकर बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसी प्रकार अशोका गार्डन थानांतर्गत परिहार चौराहा के पास सड़क किनारे खड़ी संजय पांडे की बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवती के हाथ से मोबाइल झपटकर भागे बाइक सवार, नानके पेट्रोल पंप के पास हुई वारदात

भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित नानके पेट्रोल पंप के सामने बस का इंतजार कर रही युवती के हाथ बाइक सवार बदमाश मोबाइल झपटकर ले गए। झपटे गए मोबाइल की कीमत पांच हजार रुपए है। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आयुषी साहू पिता मुकेश साहू (25) ई-6, फैक्चर अस्पताल के सामने रहती हैं। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह न्यू मार्केट की एक दुकान में काम करती है। गुरुवार शाम वह दुकान से काम करने के बाद नानके पेट्रोल पंप के पास बस स्टॉप जा रही थी। इस दौरान मोबाइल पर कॉल आने के कारण बात कर रही थी। शाम करीब साढ़े 7 बजे वह स्टाप के पास पहुंची ही थी कि पीछे से आ रहे बाइक सवारों ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वह कुछ समझ पाती इससे पहले ही बदमाश तेजी से बाइक लेकर बोर्ड आफिस की तरफ भाग निकले। घटना की शिकायत तत्काल थाने पहुंचकर आयुषी ने पुलिस को दी थी। पुलिस ने शुक्रवार सुबह आयुषी की शिकायत पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर लिया।

ट्रेन के गेट पर खड़े युवक का मोबाइल फोन झपटा

भोपाल। अहमदाबाद बरौनी एक्सप्रेस के जनरल कोच के गेट पर खड़े एक युवक का बदमाश मोबाइल फोन छीनकर भाग निकला। इसी प्रकार सफर के दौरान कई अन्य लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो गए। जानकारी के अनुसार सीहोर निवासी राजीव ठाकुर अहमदाबाद बरौनी एक्सप्रेस में रानी कमलापति से छतरपुर की यात्रा कर रहे थे। वह जनरल कोच के गेट पर खड़े हुए थे। ट्रेन चलने के कुछ ही मिनट बाद अज्ञात बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और भाग निकला। ट्रेन चल रही थी, इसलिए वह उतर नहीं पाए। बाद में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार होशंगाबाद निवासी राजा प्रजापति अमरकंटक एक्सप्रेस में भोपाल से इटारसी की यात्रा कर रहे थे। औबेदुल्लागंज स्टेशन के पास देखा तो उनकी जेब में रखा 15 हजार रुपए कीमत का मोबाइल चोरी हो चुका था। इधर भोपाल निवासी शफवन केरला एक्सप्रेस में दिल्ली से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। रात करीब एक बजे स्टेशन आने पर नींद खुली तो पता चला कि सीट पर रखा 20 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन गायब है। इसी प्रकार सोनू नागर दिल्ली से सोलापुर की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपना मोबाइल जेब में रखा था। भोपाल स्टेशन पर नींद खुली तो 38 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो में मारी टक्कर

भोपाल। कोहेफिजा स्थित लालघाटी चौराहे के पास एक तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो चालक और उसमें बैठी दो सवारियों को चोट आई है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सद्दा कुरैशी (22) काजीकैंप हनुमानगंज में रहता है और ऑटो चलाता है। गुरुवार तड़के करीब चार बजे वह बैरागढ़ स्टेशन से दो सवारियां बिठाकर इस्लामी गेट जा रहा था। लालघाटी चौराहा स्थित सिग्नल पर पहुंचा, तभी एयरपोर्ट रोड की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसके आटो में टक्कर मार दी। इस हादसे में आटो में बैठी दोनों सवारियां और चालक को चोट आई। सद्दाम ने घायल सवारियों को दूसरे आटो में बिठाकर इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया और बाद में थाने जाकर कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

जहरीला पदार्थ खाने से छात्रा की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद इलाके में रहने वाली बीएससी की एक छात्रा ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी, जिसे लेकर व बैतूल के लिए रवाना हो गए। घरवालों के बयान के बाद ही जहर खाने के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस के मुताबिक महिमा कौशिक (21) मुलताई जिला बैतूल की रहने वाली थी। फिलहाल वह इंडस टाउन के पास हरिगंगा नगर मिसरोद में अपनी छोटी बहन के साथ रहती थी और निजी यूनिवर्सिटी से बीएससी की पढ़ाई कर रही थी। बुधवार की रात उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। छोटी बहन ने इसकी जानकारी मकान मालिक को दी तो उन्होंने उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान गुरुवार सुबह महिमा ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी है। घरवाले शव लेकर मुलताई के लिए रवाना हो गए। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के विस्तृत बयान के बाद ही जहर खाने के कारणों का पता चल पाएगा।

हेड कांस्टेबल की संदिग्ध हालत में मौत

भोपाल। सतपुड़ा भवन की सुरक्षा में तैनात एक हेड कांस्टेबल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण अटैक आना बताया जा रहा है, लेकिन सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद हो पाएगा। जानकारी अनुसार रामसिंह बिष्ट (52) मूलत- उत्तराखंड के रहने वाले थे। वह उज्जैन की एसएएफ बटालियन में हेड कांस्टेबल थे। फिलहाल यह बटालियन सतपुड़ा भवन की सुरक्षा में तैनात है। रामसिंह यहीं पर सतपुड़ा भवन के पीछे बनी बैरिक में रहते थे। शुक्रवार सुबह उन्होंने कपड़े छत पर कपड़े सूखने के लिए डाले थे। दोपहर को वह कपड़े उठाने पहुंचे, लेकिन वापस नहीं लौटे। कुछ देर बाद उनका एक साथी छत पर पहुंचा तो रामसिंह बेसुध हालत में मिले। उन्हें तत्काल ही इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक पूछताछ मे पता चला है कि उन्हें बीपी की बीमारी थी।

तलवार से केक काटने वाला युवक गिरफ्तार

भोपाल। हबीबगंज पुलिस ने एक युवक को तलवार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी का तलवार से केक काटते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। जानकारी के अनुसार बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक तलवार से जन्मदिन का केक काटते हुए दिखाई दे रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। गुरुवार को सूचना मिली कि केक काटने वाला युवक ग्यारह सौ क्वार्टर के पास हाथ में तलवार लेकर लोगों में दहशत फैला रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सूरज विश्वकर्मा (30) निवासी पीसी नगर मल्टी बताया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना निशातपुरा भोपाल

क्रमांक-थाना /निशा./ मर्ग क्र 31/24 **दिनांक- 10/12/24**

सर्वसाधरण का सूचित किया जाता है कि दिनांक 06/06/2024 को मर्ग क्र 31/24 धारा 174 सीआरपीसी के अज्ञात पुरुष उम्र 50 साल लगभग की देवकी नगर के पास रेलवे ट्रेक पर रेल दुर्घटना मे मृत्यू होने पर थाना निशातपुरा मे मर्ग कायम किया गया जिसका हुलिया – रंग गोरा, बाल-सफेद, लंबाई-05 फीट 05 ईंच करीब शरीर पर सफेद दाग के निशान पहनावा सफेद शर्ट काले रंग के चैक पेंट ब्राउन रंग का पेंट व पेरों मे ब्राउन रंग के रबर के जूते पहने है। उक्त मर्ग के मृतक के बारे में पता चलने पर निम्न नंबरों पर सूचित करें।

विवेचक - 7049105529

थाना निशातपुरा -7587601924

थाना प्रभारी
थाना निशातपुरा, भोपाल

G-20231/24

मेट्रो एंकर — डायरी आने के बाद बजरिया ने दर्ज किया

सरिया भेजने के बहाने जालसाजों ने ठगे डेट लाख

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइबर जालसाज ठगी के लिए रोजाना नए-नए पैंतरे खोजते रहते हैं। बजरिया इलाके में रहने वाले एक युवक को जालसाजों ने लोहे के सरिया भेजने के नाम पर 1-69 लाख रुपए ठग लिए। सरिया नहीं मिलने पर फरियादी ने कंपनी को ईमेल किया तो पता चला कि उक्त कंपनी से उनकी कोई बात नहीं हुई है। उसके बाद कंपनी के अधिकारी ने रायपुर में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। केस डायरी भोपाल आने के बाद बजरिया पुलिस ने असल कायमी कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बजरिया में रहने वाले अंकित विश्वकर्मा को लोहे की सरिया मंगवानी थी। इसके लिए नवंबर महीने में उन्होंने रायपुर की एक कंपनी से संपर्क किया। यह कंपनी गोयल टीएमटी सरिया की सप्लाई पूरे देश में करती है। कंपनी के अधिकारियों ने सरिया भेजने के लिए अंकित से रकम ट्रांसफर करने का बोला। अंकित ने बताए गए एकाउंट में 1।69 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए, लेकिन उन्हें सरिया की सप्लाई नहीं की गई। काफी समय बीतने के बाद अंकित ने कंपनी को ईमेल के माध्यम से जानकारी देते हुए उन्हें सप्लाई किए जाने वाले सामान की इनवाइस, अधिकारियों के मोबाइल नंबर और पेंमेंट की डिटेल भेजी। कंपनी ने जब अपने स्तर पर जांच की तो पता चला कि भेजी गई इनवाइस उनकी कंपनी के नहीं, बल्कि उनकी जैसी किसी फर्जी कंपनी की थी, जिसकी स्पेलिंग में मिस्टेक करके अंकित को गुमराह किया गया था। कंपनी के अधिकारी ने रायपुर की उरला थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने शून्य पर केस दर्ज कर डायरी भोपाल भेजी, जिसके बाद बजरिया पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। मोबाइल के आधार पर चल रही जांच वास्तविक कंपनी ने अपनी जांच में पाया कि जिन नंबरों से अंकित से संपर्क किया गया था, वह मोबाइल उनके यहां काम करने वाले किसी कर्मचारी के नहीं थे। यहां तक कि बताए गए नाम के अधिकारी भी उस कंपनी में काम नहीं करते हैं। जालसाजों द्वारा दी गई इनवाइस में इस प्रकार से स्पेलिंग की हेरफेर की गई थी, जिससे ग्राहक को वास्तविक कंपनी होने का ही आभास होता था। अब पुलिस संबंधित मोबाइल नंबरों की सीडीआर निकलवा रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

जोन क-08 यांत्रिक विभाग

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 278/यां.वि./2024 — भोपाल, दिनांक. 11.12.2014

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आंमत्रित की जाती है।

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document (In Rs)	Period of Completion (in Months)	SOR
1.	2024_ UAD_ 376942_ 2	PROVIDING AND FIXING OF SHED AND CHABUTRA AT DIFFERENT PLACES WARD-29 ZONE-08 Estimate no. 2020222134	169490/-	3390/-	1000/-	01 months	MPUADD building 2021
2.	2024_ UAD_ 377498_ 2	REPAIRING AND MAINTAINANCE OF PARK IN FRONT OF RAJDEEP WARD-29 Z08 Estimate no. 2020222178	172827/-	3457/-	1000/-	01 months	MPUADD building 2021
3.	2024_ UAD_ 377328_ 2	REPAIRING AND MAINTAINANCE OF PARK NEAR S512 WARD29 ZONE08 Estimate no. 2020222174	173249/-	3465/-	1000/-	01 months	MPUADD building 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/ 2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M. (time) 12.12.2024 (date) to 17:30P.M. (time) 26.12.2024 (date). 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper. **The initial period of 05 (five year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP).**

नि.क्र. 915/024/025

सहायक यंत्री (सिविल) जोन क्र. 08
नगर निगम भोपाल

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022